छतरपुर भ्रमण

आर.एन.आई.नं.50076/89
E-Mail-bhraman1@rediffmail.com, agr.gaurav87@gmail.com, deepakraikwar105@gmail.com

वर्ष - 34 | अंक - 244 | छतरपुर, बुधवार 26 अप्रैल 2023 | मूल्य-1.50 रूपये | पृष्ठ 8

विश्वविद्यालय में चपरासी/भृत्य की नियम विरुद्ध नियुक्ति का कर्मचारी संघ कर रहे विरोध

बड़े घोटाले की आहट, राजभवन से कुलपति की नई नियुक्ति का विज्ञापन जारी

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में एक बार फिर नियुक्तियों का विरोध शुरू हो गया है। उधर नए कुलपति के लिए राजभवन से विज्ञापन जारी होने के बाद छतरपुर विश्वविद्यालय द्वारा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए भर्ती का विज्ञापन जारी करने से विश्वविद्यालय के कर्मचारी संघ में आक्रोश व्याप्त है जबकि विश्वविद्यालय में 15 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। विद्यार्थियों के अध्यापन कार्य के लिए 64 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्तियां की जाना है जिस पर विश्वविद्यालय प्रबंधन मौन है जबकि महाराजा महाविद्यालय के विश्वविद्यालय में संविलियन होने के बाद चतुर्थ श्रेणी के पर्याप्त पद हैं तथा कर्मचारी संघ पदोन्नति की राह देख रहा है।

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर में 16 पदों पर सीधी भर्ती चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की जारी है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने 20.04.23 को इसका विज्ञापन जारी किया है वो पूर्णतः नियत विरुद्ध है। विश्वविद्यालय के कुलपति के पद का विज्ञापन राजभवन से प्रकाशित हो चुका है तो सेवानिवृत्ति के एक माह पूर्व नियुक्ति करना असंवैधानिक है वर्तमान कुलसचिव स्वयं शासन के आदेश से पदस्थ नहीं है न शासन से कोई अनुमोदन किया है। कुलपति के निर्देश पर वित्त नियंत्रक ने इन्हें प्रभारी कार्यभार हेतु जब तक शासन ने कोई नियुक्ति या प्रतिनियुक्ति कुलसचिव की नहीं की है तब तक यह असथायी तौर पर कार्यरत हैं तो ऐसी स्थिति में यह स्थायी नियुक्ति कैसे कर सकते हैं? महाराजा कॉलेज के विश्वविद्यालय में संविलियन के साथ सभी कर्मचारी जिसमें 30 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं तथा वर्तमान में विश्वविद्यालय में पूर्व से 25 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नियुक्त है तो फिर 16 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की क्या आवश्यकता है जबकि 15 हजार छात्र छात्राओं के अध्यापन कार्य हेतु सहा. प्राध्यापकों के 64 पद रिक्त है उनका विज्ञापन नहीं निकाला गया जो जरूरी था। क्या 8वीं पास छात्र ओएसआर सीट पर परीक्षा दे सकता है यह नियम विरुद्ध है ओएसआर सीट, पीएमटी, पीएचडी वाले छात्रों के लिए होती है 8वीं पास के लिए नहीं।

महामहिम राज्यपाल महोदय ने प्रदेश के सभी कुलपतियों की बैठक में शैक्षणिक पदों की भर्ती के निर्देश दिए हैं परन्तु छत्रसाल विश्वविद्यालय में सिर्फ चपरासी की भर्ती कर यह दर्शाता है कि इन नियुक्तियों में खुला भ्रष्टाचार की आशंका है। इस संबंध में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ ने कुलसचिव को ज्ञापन देकर नियुक्तियां न करने का आह्वान किया है कि पहले पदोन्नति की जाए।

मेडिकल कालेज के लिए मातृशक्ति ने संभाला मोर्चा

अग्रवाल समाज की महिलाओं ने दिया धरना, सुंदरकांड कर सरकार को सद्बुद्धि देने उठाई आवाज

छतरपुर। छतरपुर में मेडिकल कालेज निर्माण का अधर में लटका काम जल्द शुरू करने के लिए मंगलवार को मातृ शक्ति ने मोर्चा संभालते हुए छत्रसाल चौक पर धरना दिया। इस अवसर पर सरकार को सद्बुद्धि देने के लिए संगीतमय सुंदरकांड पाठ भी किया गया।

मेडिकल कालेज संघर्ष मोर्चा द्वारा 15 अप्रैल से शुरू आन्दोलन के 11 वें दिन आज अग्रसेन महिला विकास समिति की अध्यक्ष सोनम कुलदीप अग्रवाल और अग्रवाल महासभा की जिलाध्यक्ष ज्ञानू अग्रवाल के नेतृत्व में अग्रवाल समाज की महिलाएं सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक धरने पर डटी रहीं।

धरने में सोनम कुलदीप अग्रवाल, ज्ञानू अग्रवाल, अन्नपूर्णा अग्रवाल, किरन अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, नीता नवल अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, मृदुला निगम, शिप्रा अग्रवाल, दीप्ती अग्रवाल, रचना अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, रुकमणी विनोद अग्रवाल, रेखा प्रमोद अग्रवाल के साथ ही हरि प्रकाश अग्रवाल, नाथूराम साहू, इन्जी दिलीप अग्रवाल, आनन्द अग्रवाल, आनंद खरे सहित अन्य लोगों ने सहभागिता की।

चित्रगुप्त भगवान की प्रतिमा का हुआ अनावरण, महा प्रसाद लगाकर हुआ कार्यक्रम का आगाज

छतरपुर। श्री चित्रगुप्त मंदिर ट्रस्ट एवं अखिल भारतीय कायस्थ समाज के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित होने वाले इस महोत्सव के लिए व्यापक तैयारियां की गई, मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया है, मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. राजेश खरे एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष एड.वीरेन्द्र श्रीवास्तव लगातार समाज के पदाधिकारियों व सक्रिय कार्यकर्ताओं की बैठकें आयोजित की। आयोजन समिति के सदस्य वशिष्ठ नारायण श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री चित्रगुप्त मंदिर में 25 अप्रैल को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम प्रारंभ हुए जिसमें चित्रगुप्त भगवान की प्रतिमा को हृदयेश शर्मा ने बनाया और चित्रों श बंधुओं द्वारा मंदिर परिसर में लाया गया, उस समय चित्रों श बंधुओं को उत्साहित देखा गया, इसके पश्चात सजातीय बंधुओं द्वारा विभिन्न प्रकार का भोग अपने अपने घर से लाया गया और इसके बाद प्रतिमा का पूजन कर अनावरण किया गया, इसके बाद 56 व्यंजनों का महाप्रसाद लगाया गया, 26 अप्रैल को साय 6 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम ,प्रतिभा सम्मान समारोह होगा। 27 अप्रैल को निकलेगा भव्य शोभायात्रा। इस अवसर पर बी पी खरे, सुरेश बाबु खरे, राकेश खरे, एन पी एन खरे, नितिन खरे, आदित्य सक्सेना, अभिलेख खरे, नितिन भागवत खरे, धर्मेंद्र सक्सेना,

...शेष पृष्ठ दो पर

12 करोड़ की लागत से बनने वाले पुल का जल्द होगा भूमि पूजन

पुल निर्माण से आवागमन होगा सुगम

गौरिहार/ क्षेत्र को बारीगढ़, लवकुशनगर व महोबा को जोड़ने वाली सड़क में बलरामपुर की केल नदी पर 12 करोड़ की लागत से बनने वाले पुल का क्षेत्रीय विधायक राजेश प्रजापति द्वारा जल्द भूमि पूजन किया जायेगा। करीब 3 वर्ष से टूटे पूर्व में बने रिपटे से भारी वाहन निकलने में हो रही थी परेशानी, क्षेत्रीय लोगों द्वारा की जा रही लगातार मांग के बाद विधायक के प्रयास से करीब 12 करोड़ की लागत से बड़े पुल का निर्माण होगा जिसके लिये टेंडर भी हो चुका है।

तीन वर्षों से टूटे रिपटे से आवागमन में हो रही थी परेशानी

गौरिहार से बारीगढ़ मार्ग पर बलरामपुर में केल नदी पर बना रिपटा पिछले तीन वर्षों से टूटा पड़ा था जिसके बाद भारी वाहन निकलने सहित आवागमन में भारी परेशानियाँ हो रही थी। सबसे ज्यादा दिक्कत बरसात में होती थी इसके लिये क्षेत्रीय लोगों ने लगातार बड़ा पुल बनवाये जाने की मांग उठाई। क्षेत्रीय लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए विधायक ने बड़े पुल की स्वीकृति कराई जिसका टेंडर भी हो चुका है उम्मीद है मई के प्रथम सप्ताह में इसका भूमि पूजन सम्पन्न हो जायेगा। नदी में बड़ा पुल बन जाने से जहाँ सुगमता से आवागमन हो सकेगा वहीं बरसात के दिनों में नदी में बाढ़ जैसी स्थिति में भी मार्ग अवरुद्ध नही होगा।

फ़िल्म जगत में छतरपुर के कृष्णकांत सिंह बुंदेला ने मचाया धमाल

कई सीरियल वेबसीरीज और फिल्मों में निभा चुके अहम भूमिका

राधेश्याम सोनी

छतरपुर। शहर के चेतगिरी कॉलोनी के रहने वाले कृष्णकांत सिंह बुंदेला लगभग 3 वर्षो से मुम्बई में रहकर फ़िल्म जगत में अहम भूमिका निभा रहे है।कृष्णकांत सिंह बुंदेला का जन्म 14 फरवरी 1981 को जबलपुर में हुआ था इनके पिता आर्मी व्हीकल फैक्ट्री में सुपरवाइज़ थे रिटायर्डमेन्ट के बाद छतरपुर में रहने लगे माता मधु राजा बुंदेला जो गृहणी है।एम वी ए का कोर्स करने के बाद इन्होंने फ़िल्म जगत में अपना कदम रखा सबसे पहले रामलीला में लंकेश का अभिनय किया इसके अलावा कई छोटी छोटी फिल्मो में काम किया हुनर ओर लोकप्रियता को देखते हुए लोगो ने मुम्बई जाने की सलाह दी लेकिन बहुत ही कम समय की मेहनत के बाद सीरियल लाल इश्क,परम अवतार श्री कृष्णा, मनमोहनी,कहत हनुमान जय श्री राम अधिकांश सीरियल में तांत्रिक ,ऋषि ,साधु ,बाबा सरदार ,अगोरी,मौलवी,फकीर का किरदार निभाया इसके अलावा कई फिल्मों में भी किरदार निभाया।

छतरपुर को मेडिकल कालेज जरुरी, आखिर जुम्मेवार निष्क्रिय क्यों?

रामकृपाल शर्मा

बड़ामलहरा। बुन्देलखण्ड के हृदयस्थल माने जाने वाला छतरपुर जिला विकास की दौड़ मे सबसे पिछड़ा हुआ है जिसकी प्रमुख वजह शोधकर्ता शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं का समुचित विकास ना होना मान रहे है। समुचित स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में आज भी जिले के दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में इलाज के अभाव में लोगों की असमय मौतें हो रही। मेडिकल कालेज सघर्ष मोर्चा द्वारा मेडिकल कालेज निर्माण की मांग को लेकर ग्यारह दिन से धरने पर बैठे हुए है। पता चला है कि मेडिकल कालेज निर्माण के लिए फंड ना होने के चलते निर्माण कार्य बन्द पड़ा है जिसके लिए जिले का बुद्धिजीवी जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सन्देह जता रहा है।

बीस लाख की आवादी बाले छतरपुर जिले की सबसे बड़ी आवश्यकता है मेडिकल कालेज का खोला जाना ।आस पास के जिलों के मरीज जहां यहां ईलाज के लिए आते है वही आस पास मेडिकल कालेज ना होने के चलते गम्भीर हालत मे मरीज को झासी या सागर मेडिकल कालेज ले जाने मे समय एवं धन दोनो खर्च होते है ।आर्थिक तंगी के चलते जिले के लोग समुचित ईलाज से बंचित रह जाते है बुन्देलखण्ड आंचल के इस जिले मे कई ऐसे अन्दरुनी इलाके है जिन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं के लाभ से बंचित रहना पढ़ रहा है ।अशिक्षा एवं आर्थिक तंगी के चलते उनकी नजर मे सबसे बड़ी अस्पताल छतरपुर होने के चलते वो कही भी ईलाज को जाना ही नही चाहते।

बिजावर क्षेत्र का आदिवासी बाहुल्य किशुनगढ़ का अन्दरुनी इलाका एवं बक्सवाहा क्षेत्र का आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र जिसमें बक्सवाहा क्षेत्र के आदिवासियों मे भले ही कुछ लोग इलाज के लिए छतरपुर से बाहर जाना पंसद मजबूरी के चलते करने लगे हो किन्तु किशुनगढ़ इलाके के आदिवासियों की नजर मे छतरपुर को सबसे बड़ी अस्पताल मानकर वे बाहर इलाज के लिए जाना नहीं चाहते जिसके चलते कई लोग की असमय ही मौत हो गई ।भले ही इसकी वजह अशिक्षा आर्थिक तंगी रहा हो या फिर अंधविश्वास माना जाये किन्तु हकीकत यही है।अगर प्रशासन सर्वे करवाने की पहल करे तो वास्तविकता सामने आ जायेगी।

जिले का बुद्धिजीवी वर्ग मेडिकल कालेज निर्माण मे फंड की कमी से आश्चर्यचकित जिसके लिए वह पूर्णरुप से जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता मानकर चल रहे है ।जनप्रतिनिधियों का क्या आज यहाँ कल कोई दूसरा आशियाना तलाश लेगे क्योंकि वह स्थानीय तो है नही। बहरहाल जो भी हो किन्तु यह तय है कि मेडिकल कालेज को लेकर जनप्रतिनिधियों कि निष्क्रियता का परिणाम भारी पड़ सकता है।

अज्ञात कारणों के चलते युवती ने किया कीटनाशक दवा का सेवन

बड़ामलहरा ।पुलिस थाना क्षेत्रान्तर्गत सड़वा गांव में कुशवाहा परिवार की कक्षा दसवीं की छात्रा दीपा पिता राकेश कुशवाहा (18) वर्ष ने आज मंगलवार को घर में रखी कीटनाशक दवा का सेंवन कर लिया उस समय घर पर कोई नहीं था ।दीपा के पिता राकेशकुशवाहा की दो वर्ष पहले मौत हो चुकी थी ।मां एवं दादा खेत पर गए हुये थे।

दीपा के घर मे रखी कीटनाशक दवा का सेवन करने के बाद जब उसे चक्कर आने लगे तब परिजनो को पड़ोसियों ने सूचना दी जिसे तुरंत ही बड़ामलहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डाक्टरों ने ईलाज शुरू किया फिलहाल वह अभी अस्पताल मे भर्ती है जहां उसके स्वास्थ्य मे सुधार बताया जा रहा है ।युवती के दादा एवं चाचा ने बताया की उसकी शादी तय हो गई थी मगर बेटी ने कीटनाशक दवा का सेंवन कर लिया ।आशंका जाहिर की जा रही है कि शायद प्रेम प्रसंग के चलते उसनें आत्महत्या का प्रयास किया है।

सड़क किनारे बिना मुंडेर के खुले कुएं दे रहे दुर्घटनाओं को आमंत्रण, कलेक्टर के आदेश बेअसर

अभी तक बिना मुंडेर के कुओं को नहीं किया जा सका चिन्हित

गौरिहार/ लवकुशनगर अनुविभाग के चंदला से बसंतपुर तिराहा तक मुख्य सड़क के किनारे कई बिना मुंडेर के कुएं स्थित है जो दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे है।

कलेक्टर छतरपुर संदीप जीआर ने राजस्व व पंचायत विभाग के जिम्मेदारों को आदेश दिये थे कि क्षेत्र में जर्जर बिना मुंडेर के कुओं, बावड़ियों को व्यवस्थित कर उसमें मुंडेर बनाने के साथ जर्जर सूखे कुओं को बंद किया जाये। लेकिन आदेश को लंबा समय बीत जाने के बाद भी क्रियान्वयन होता नहीं दिख रहा है। यहाँ तक कि इस गंभीर मामले में अभी तक चिन्हांकन तक नहीं किया जा सका है। चंदला से बसन्तपुर तिराहा से पहले हिडराबारी के समीप मुख्य सड़क किनारे और बलकौरा तिराहा के पास स्थित बिना मुंडेर के कुएं है जिनसे कभी भी अप्रिय दुर्घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन जिम्मेदार इस ओर कोई ठोस पहल नहीं कर रहें हैं।

चित्रगुप्त भगवान की प्रतिमा का.... प्रथम पृष्ठ का शेष-

दीपक खारे, आशीष खरे, सुधीर खरे, स्मिता खरे, कविता खरे, उपस्थित रहे शोभायात्रा के पश्चात समाज भोज में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया ।27 अप्रैल को न्यायाधिपति भगवान चित्रगुप्त का अभिषेक होगा और फिर दोपहर 2 बजे के बाद एक विशाल चल समारोह प्रारंभ किया जाएगा जिसमें विभिन्न सजीव झांकियों के अलावा बग्घियां, घोड़े, डीजे और बैण्ड सम्मिलित होंगे, यह शोभायात्रा श्री चित्रगुप्त मंदिर से प्रारंभ होकर छत्रसाल चौराहा, आकाशवाणी तिराहा, जबाहर रोड, फब्बारा चौक, हटवारा, चौक बाजार, कोतवाली होते हुए वापिस चित्रगुप्त मंदिर में पहुंचकर सामाजिक भोज के साथ संपन्न होगी। श्री चित्रगुप्त मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. राजेश खरे, आयोजन समिति के सदस्य वीरेन्द्र श्रीवास्तव ने सभी सामाजिक बंधूओं से उक्त आयोजन में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

अपर आयुक्त ने की नपा नौगांव में योजनाओं की समीक्षा

सीएमओ को दिये आवश्यक दिशा निर्देश

नौगाँव। नगरीय प्रशासन विभाग के अपर आयुक्त सत्येन्द्र सिंह ने मंगलवार नगर पालिका कार्यालय का निरीक्षण किया तथा शासन की योजनाओं की ब्यौरेबार समीक्षा कर नपा सीएमओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर नपाध्यक्ष अनूप तिवारी, उपाध्यक्ष, पार्षदों व नपा कर्मचारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की गई। परिषद की मांग पर अपर आयुक्त ने नौगांव नगर पालिका को एक फायर ब्रिगेड, एक जेसीबी, नाली सफाई के लिए मशीन 30 जून तक देने की बात कही। इसके अलावा एक उपयंत्री भी जल्द ही नौगाँव को मिलेगा। उन्होंने एकाउंटेंट एलएल तिवारी का स्थान्तरण हो जाने के बाद रिक्त पद पर एकाउंटेंट की नियुक्ति संविदा से करने सीएमओ को निर्देश दिए। अपर आयुक्त नपा के निरीक्षण के उपरान्त वार्ड नम्बर 1 में बनने वाले संजीवनी क्लीनिक एवं पार्क का निरीक्षण करने पहुंचे।

इधर उपाध्यक्ष अजय दौलत तिवारी, पार्षद श्रीराम यादव, विधायक प्रतिनिधि अरविन्द्र यादव, पार्षद प्रतिनिधि मुरारी जाटव, विष्णु स्वरूप नायक ने अपर आयुक्त को एक लिखित आवेदन देते हुए सीएमओ की कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि सीएमओ नगर के विकास के प्रति गंभीर नहीं हैं। इस पर अपर आयुक्त ने कहा कि सीएमओ एवं पार्षद मिल-जुल कर सामंजस्य के साथ कार्य करें जिससे नगर का विकास अवरुद्ध न हो।

महासंगठन की मांगे पूरी होने लगी, कांग्रेस ने बनाया तैलिक साहू राठौर समन्वय प्रकोष्ठ

हितेश साहू उदयपुरा होंगे प्रथम प्रदेश समन्वयक

प्रमोद सोनी

नौगांव। सभी सामाजिक संगठनों ने मिलकर जनजागरण यात्रा के विराम के अवसर पर भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित किए गए सामाजिक महाकुंभ में पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री कमलनाथ ने समाज की 13 जायज मांगों पर अपनी सहमति जताई थी ।प्रथम चरण में महासंगठन की सातवीं मांग की पूर्ति के लिए प्रदेश कांग्रेस के इतिहास में पहली बार प्रदेश अध्यक्ष श्री ताराचंद साहू एवम मुख्य सलाहकार रमेश के साहू एडवोकेट के सुझाव पर श्री कमलनाथ जी ने तैलिक साहू राठौर समन्वय प्रकोष्ठ का गठन किया और प्रथम प्रदेश समन्वयक के रूप में उदयपुरा के श्री हितेश साहू अतिरिक्त महासचिव मध्य प्रदेश तैलिक साहू सभा को प्रभार सौंपा। नियुक्ति पत्र आज श्री कमलनाथ ने उनके निवास पर प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री जेपी धनोपिया की उपस्थिति में सौंपा। उक्त अवसर पर विशेष रूप से मध्य प्रदेश तैलिक साहू सभा के अध्यक्ष ताराचंद साहू महासंगठन के सभापति एवं तैलिक सभा के मुख्य सलाहकार रमेश के साहू एडवोकेट इटारसी, प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू भोपाल, संरक्षक डॉ हेमराज साहू, उपाध्यक्ष महेश साहू सुल्तानपुर,कोषाध्यक्ष विनोद साहू,कार्यालय सचिव शिव प्रसाद साहू,संभागीय अध्यक्ष हरप्रसाद साहू ,हीरा साहू किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष,प्रदेश युवा उपाध्यक्ष लोकेश साहू तेली महासंगठन के जिलाध्यक्ष गिरीश बंटी साहू विशेष रूप से मौजूद रहे। ।साहू समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल साहू, राजेश साहू आदि ने बधाई दी है।

गोविन्द सिंह बघेल बने कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष

खजुराहो। जिले के सक्रिय कांग्रेस नेता गोविंद सिंह बघेल को छतरपुर जिला कांग्रेस कमेटी में जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उक्त आशय की जानकारी छतरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष लखन लाल पटेल ने पत्र जारी करते हुए प्रेषित की। गोविंद सिंह बघेल बमीठा की सक्रियता एवं कुशलता को देखते हुये मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की अनुशंसा पर जिला कांग्रेस कार्यकारिणी को अनुमोदित कर आपको जिला कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

लवकुशनगर पुलिस ने जप्त की दो लाख की शराब, रेत से भरा ट्रेक्टर भी पकड़ा

लवकुशनगर। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के निर्देशन में थाना प्रभारी संजय बेदिया के द्वारा अवैध शराब और अवैध रेत के परिवहन पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। इसी क्रम में बीते रोज लवकुशनगर थाना पुलिस ने 107 पाव अवैध शराब के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं अवैध रेत का परिवहन कर रहे एक ट्रेक्टर चालक को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर कार्यवाही की है।

अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही करने वाली टीम ने ग्राम मुड़ेरी, झिन्ना और थोराठी में लगभग 10 स्थानों पर दबिश देकर तीन आरोपियों के पास से कुल 107 पाव शराब जप्त की है। बताया गया है कि एक आरोपी शोभित पुत्र नाथूराम अहिरवार 27 वर्ष निवासी मुरारी के कब्जे से 55 पाव, दूसरे आरोपी छोटे उर्फ छोटू पिता प्रभुदयाल अहिरवार 30 वर्ष निवासी झिन्ना के कब्जे से 22 पाव सहित शेष शराब शिवकुमार पुत्र रामकृपाल पाल 22 वर्ष निवासी ग्राम थोराठी के कब्जे से बरामद की है। थाना प्रभारी ने बताया है कि इस माह में अभी तक विभिन्न आरोपियों के विरुद्ध अवैध शराब के कुल 21 मामले पंजीबद्ध कर करीब 200 लीटर अवैध शराब जप्त की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख रुपए है। वहीं अवैध रेत के विरुद्ध कार्यवाही के लिए गठित की गई टीम ने महेश्वरी पुत्र भारत पटेल 25 वर्ष निवासी पडरी थाना चंदला के कब्जे से रेत का ट्रैक्टर-ट्राली जप्त करने की कार्यवाही की है। आरोपी के विरुद्ध धारा 379 का प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया है। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी के अलावा उप निरीक्षक अजान सिंह, प्रदीप शर्मा, प्रधान आरक्षक महेंद्र यादव, आरक्षक रमाकांत, उमेश, हृदेश, देवसिंह, हृदेश, शुभम की सराहनीय भूमिका रही।

जनसुनवाई में मिले 151 आवेदन

छतरपुर, 25 अप्रैल। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई में लोगों से प्राप्त आवेदनों की सुनवाई की। जनसुनवाई में प्राप्त 151 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण हेतु सौंपे गये साथ ही बीपीएल कार्ड बनाने के संबंध में आवेदन आने पर राजस्व अधिकारियों को परीक्षण करते हुये पात्र पाये जाने पर बीपीएल सूची में नाम जोड़ने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में एडीएम नम: शिवाय अरजरिया सहित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मण्डल, स्वास्थ्य, खाद्य, आदिम जाति, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुये।

महोबा में निकाय चुनाव को लेकर वार्डर में पुलिस तैनात करने हुआ विचार-विमर्श

नौगाँव। समीपी उत्तरप्रदेश के महोबा जिले में आगामी 11 मई को होने वाले नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर मंगलवार को सर्किट हाउस में बॉर्डर के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों की बैठक हुई। बैठक में नगरीय निकाय चुनाव में अपराधियों पर सख्त नकेल कसने एवं बार्डर पर पुलिस तैनाती को लेकर गहन विचार विमर्श हुआ। बैठक में एसडीओपी चंचलेश मरकाम, थाना प्रभारी दीपक यादव, सीओ कुलपहाड़ हर्षिता गेगवार, सीओ लाईन महोबा उमेश कुमार, एसओ श्रीनगर श्रीगणेश गुप्ता, एसओ अजनर, एसओ महोबकंठ एवं नौगाँव अनुविभाग के हरपालपुर थाना प्रभारी जयवंत काकोरिया, अलीपुरा थाना प्रभारी, गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी, लुगासी चौकी एवं गरौली चौकी के प्रभारी उपस्थित रहे।

11 को महोबा में हैं चुनाव

ज्ञात हो कि 11 मई को महोबा जिले में नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर यह बैठक छतरपुर एसपी एवं महोबा एसपी के निर्देशन में रखी गई। बैठक में आपराधिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही की रुपरेखा तैयार की गयी एवं आपराधिक गतिविधियों के व्यक्तियों पर नजर रखने के साथ ही उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए यूपी एमपी के बार्डर पर सख्ती बरतने पर मंथन हुआ।

कोचिंग के लिए निकला छात्र हुआ लापता

बेटे के लापता होने से परिवार परेशान, कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज

छतरपुर। छतरपुर के नारायणपुरा रोड पर रहने वाले शासकीय शिक्षक अरविंद यादव के पुत्र एवं बड़ामलहरा में पदस्थ डिप्टी रेंजर शिवशरण सिंह यादव के पोते 17 वर्षीय राज यादव के अचानक लापता होने की खबर सामने आयी है। राज यादव कक्षा 12वीं का छात्र था जो सोमवार 24 अप्रैल की दोपहर 4.20 बजे अपनी कोचिंग के लिए साईकिल से घर से निकला था। वह चौबे कॉलोनी में स्थित सरस्वती कॉलेज के समीप शिक्षक अभिषेक द्विवेदी के यहां कोचिंग के लिए निकला था लेकिन कोचिंग भी नहीं पहुंच पाया। उसके कुछ सीसीटीव्ही वीडियो सामने आए हैं जिसमें वह बस स्टेण्ड से लेकर छत्रसाल चौक तक साईकिल से कोचिंग जाता हुआ दिखाई दे रहा है लेकिन इसके बाद कोई वीडियो उपलब्ध नहीं है। परिवार ने सिटी कोतवाली में देर रात 11 बजे बच्चे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है। उधर बच्चे के गायब होने से परिवार बुरी तरह परेशान है।

माइग्रेशन सर्टिफिकेट हेतु एमसीबीयू में ऑनलाइन व्यवस्था शुरु

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर द्वारा व्यापक छात्रहित व सुविधा के दृष्टिगत ऑनलाइन माइग्रेशन सर्टिफिकेट जारी किए जाने की नवाचारी व्यवस्था प्रारंभ की गई है, जिससे अब छ: जिलों के विद्यार्थियों को घर बैठे ही माइग्रेशन सर्टिफिकेट ऑनलाइन मिलेंगे और उनकी भागदौड़ तथा पैसा बचेगा।

इस व्यवस्था के अंतर्गत विश्वविद्यालय वेबपोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन उपरांत माइग्रेशन सर्टिफिकेट ऑनलाइन जनरेट करने की सुविधा विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ की गयी है। पोर्टल पर ऑनलाइन एप्लीकेशन नंबर व छात्र के मोबाईल पर प्रेषित ओटीपी प्रविष्टि उपरांत माइग्रेशन सर्टिफिकेट डाउनलोड व प्रिंट किया जा सकता है। इस सर्टिफिकेट का सत्यापन पोर्टल पर उपलब्ध माइग्रेशन वेरिफिकेशन लिंक से किया जा सकता है। अन्य विश्वविद्यालयों / संस्थानों में प्रवेश हेतु यही डिजिटल जनरेटेड माइग्रेशन सर्टिफिकेट मान्य होगा।

मनवारा की महिला ने कलेक्टर से मांगी इच्छामृत्यु

अधिकारियों पर लगाया परेशान करने का आरोप

छतरपुर। गौरिहार तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम मनवारा की एक महिला ने कलेक्टर को आवेदन देकर इच्छामृत्यु की मांग की है। बताया गया है कि अधिकारियों की हीला-हवाली के चलते महिला को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर नियुक्ति नहीं हो पा रही है जिससे वह परेशान है।

मनवारा निवासी फूलवती अहिरवार ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए उसने परीक्षा दी थी लेकिन उससे कम अंक वाली एक महिला को नियुक्ति प्रदान कर दी गई थी। इस संबंध में उसने अधिकारियों से से शिकायत कर जांच कराई तो संबंधित महिला की अंकसूची भी कूटरचित पाई गई, इसलिए उसे पद से हटा दिया गया। इसके बाद जब फूलवती की नियुक्ति होना थी तब अधिकारियों ने उससे नियुक्ति के एवज में 1 लाख रुपए मांगे और जब फूलवती ने पैसे नहीं दिए तो पुन: किसी अन्य महिला की नियुक्ति कर दी गई। इसके बाद फूलवती ने 2021 में कलेक्टर कोर्ट में केस किया जिसका फैसला 2023 में फूलवती के पक्ष में आया और कलेक्टर ने महिला बाल विकास अधिकारी को फूलवती की नियुक्ति कराने के आदेश दिए। फूलवती के मुताबिक इसके बाद भी दो महीने तक संबंधित अधिकारी उसे भटकाते रहे। 2 अप्रैल 2023 को उसकी नियुक्ति का आदेश बन गया था, जो उसे 18 अप्रैल को दिया गया और इसी बीच दूसरी महिला कोर्ट से स्टे ऑर्डर ले आई जिस कारण से उसका केश अब कमिश्नर कोर्ट में चला गया है। परेशान फूलवती ने कलेक्टर को आवेदन देकर उसकी समस्या का त्वरित निराकरण कराने अथवा इच्छामृत्यु की मांग की है।

महिला ने रिश्ते में जेठ लगने वाले युवक पर लगाया दुष्कर्म करने का आरोप

पीड़िता ने एसपी से की कार्रवाई की मांग

छतरपुर। मंगलवार को घायल अवस्था में पति के साथ एसपी ऑफिस आई एक महिला ने रिश्ते में जेठ लगने वाले युवक पर उसके साथ जबरन दुष्कर्म करने, मारपीट करने तथा थाना पुलिस द्वारा घटना की रिपोर्ट दर्ज न किए जाने के आरोप लगाए हैं। महिला ने एसपी से रिपोर्ट दर्ज करवाने और आरोपी पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

पीड़ित महिला के पति ने बताया कि वह ग्राम बदौराकला थाना प्रकाश बम्हौरी का रहने वाला है और गुजरात के सूरत शहर में मजदूरी करता है। उसकी पत्नी अपने मायके ग्राम अभऊ थाना प्रकाश बम्हौरी में रहती है। पीड़िता के पति के मुताबिक विगत 20 अप्रैल को उसका चचेरा भाई ग्राम अभऊ पहुंचा और उसकी पत्नी को सूरत की टिकिट करवाने की बात कहकर अपने साथ ले गया। उस वक्त पीड़िता की मां भी उसके साथ थी। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता की मां को बारीगढ़ के बैंक में बैठा दिया और पीड़ित को अपने साथ बस स्टैंड ले जाने की बात कहकर वहां से निकला। आरोप है कि इसी दौरान बारीगढ़-ज्यौराहा मार्ग पर पहाड़ी के समीप गाड़ी को रोककर आरोपी, पीड़िता के साथ अश्लील हरकतें करने लगा। जब पीड़िता ने उसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की जिस कारण से वह बेहोश हो गई। आरोपी ने बेहोशी की हालत में पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया और इसके बाद घायल अवस्था में एक ऑटो वाहन से पीड़िता को उसके मायके में छोड़कर भाग गया। घटना की जानकारी लगने के बाद सूरत में मजदूरी कर रहा पति वापिस गांव लौटा और महिला का इलाज कराने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराने प्रकाश बम्हौरी थाना गया, लेकिन पुलिस ने उसकी रिपोर्ट नहीं लिखी है। अब पीड़िता ने पति के साथ एसपी को आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराने और कार्यवाही कराने की मांग की है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर हुआ कार्यक्रम

बच्चों को बताया गया पृथ्वी का महत्व

छतरपुर। विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में डीसेंट इंग्लिश स्कूल द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत शहर के दीनदयाल पार्क से हुई। यहां विद्यालय के उप प्राचार्य राजीव जैन ने बच्चों को पृथ्वी दिवस के महत्व के साथ-साथ ग्रीन हाउस प्रभाव, ओजोन परत क्षय, बढ़ते कार्बन एमिशन की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन सब प्रयासों की भी चर्चा की जो विश्व समुदाय द्वारा पृथ्वी को सुरक्षित और संरक्षित रखने के लिए किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को शहर के विभिन्न स्थलों का भ्रमण कराकर पर्यावरण परिवर्तन की जानकारी दी गई। बच्चे शहर के उद्यानों में भी पहुंचे। पक्षियों के संरक्षण हेतु किए जा रहे प्रयासों में बच्चों ने अपने प्रयासों को दर्शाते हुए उद्यानों में पक्षियों के लिए सकोरे टांगे। स्कूल के गार्डन में पृथ्वी दिवस का संदेश देने के लिए गतिविधियां हुईं। विद्यालय के प्रबंधक अशोक दुबे और प्राचार्य श्रीमती मयूरी दुबे ने बच्चों को अपने संदेश से पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया।

तेज रफ्तार डंफर ने बाईक को मारी टक्कर, दो घायल

छतरपुर। मंगलवार को सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार डंफर के चालक ने बाईक को टक्कर मार दी जिससे बाईक पर सवार दो युवक घायल हुए हैं। दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र की शांति नगर कॉलोनी निवासी संजय पटैरिया ने बताया कि उनका पुत्र देव पटैरिया अपने दोस्त आदित्य पुत्र राजेश दीक्षित के साथ सुबह के समय बागेश्वर धाम गया था। यहां से वापिस लौटते वक्त छतरपुर में ही पन्ना रोड पर एक तेज रफ्तार डंफर ने उनकी बाईक को टक्कर मार दी जिससे दोनों बुरी तरह घायल हो गए। दोनों घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। देव पटैरिया के पैर में फैक्चर बताया गया है जबकि आदित्य दीक्षित को मामूली चोटें आई हैं।

रास्ता दिलाने रसुईया के ग्रामीणों ने जनसुनवाई में दिया आवेदन

छतरपुर। छतरपुर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत रसुईया अंतर्गत आने वाले ग्राम राधेनगर के ग्रामीणों ने मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन देकर बताया कि कोर्ट का आदेश होने के बाद भी उन्हें रास्ता नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि रास्ता नहीं मिला तो वे चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

राधेनगर निवासी हरसेवक शर्मा ने बताया कि पिछले करीब 7 माह से गांव का पहुंच मार्ग बंद है, जिस कारण से ग्रामीणों को भारी परेशानी हो रही है। इस संबंध में कोर्ट द्वारा ग्रामीणों को रास्ता दिलाने का आदेश भी दिया जा चुका है, लेकिन जिला प्रशासन आदेश पर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उन्हें सड़क नहीं मिली तो वे आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे और इसके साथ ही भूख हड़ताल, चक्का जाम करने को बाध्य रहेंगे। हालांकि कलेक्टर ने आवेदन लेकर निराकरण का आश्वासन ग्रामीणों को दिया है।

दैनिक छतरपुर भ्रमण

संपादकीय

आखिर गिरफ्त में

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह आखिरकार पंजाब पुलिस की गिरफ्त में आ गया। इस तरह एक महीने से अधिक समय से दोनों के बीच चल रहा चूहे-बिल्ली का खेल समाप्त हो गया। पंजाब सरकार अब अपने कंधे थपथपा रही है कि उसने शांति भंग करने वालों पर नकेल कसने में कामयाबी हासिल की है। जबकि अमृतपाल ने कहा कि उसने आत्मसमर्पण किया है। अमृतपाल पिछले करीब छह महीने से 'वारिस पंजाब दे' नामक संगठन के जरिए खालिस्तान के समर्थन में लोगों को उकसा रहा था। इस बात के भी प्रमाण उजागर थे कि उसे ब्रिटेन में बैठे खालिस्तान समर्थकों से मदद मिल रही थी। पंजाब में अपना जनाधार मजबूत करने के लिए अमृतपाल ने गुरुग्रंथ साहब की आड़ ली और सिख धर्म की रक्षा का नारा बुलंद किया था। इस तरह उसने अच्छी संख्या में युवाओं को अपने साथ खड़ा कर लिया था। उसकी ताकत तब समझ में आई जब उसके एक समर्थक को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने हथियारबंद होकर अजनाला थाने पर हमला कर दिया था। आखिरकार उसके उस समर्थक को छोड़ना पड़ा था। मगर अमृतपाल तभी से पंजाब पुलिस की नजर में चढ़ गया था। अजनाला की घटना के बाद वह इतना उद्दंड हो गया था कि खुलेआम केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय को चुनौती देने लगा था। आखिरकार केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंजाब पुलिस को उसकी गिरफ्तारी में मदद की और पुख्ता रणनीति के तहत उसे पकड़ने की कोशिश की गई। मगर पुलिस को चकमा देकर अमृतपाल भाग निकला और करीब पैंतीस दिनों तक छिपता फिरा। फिर पंजाब के मोगा जिले के रोडे गांव के गुरुद्वारे में उसके होने की सूचना मिली और बिना किसी कवायद के वह पकड़ा गया। अमृतपाल के सभी प्रमुख समर्थक पकड़े जा चुके हैं। इस तरह उसके पकड़े जाने के बाद अब खालिस्तान के समर्थन में भड़काई जा रही चिनगारी के शांत पड़ जाने की उम्मीद की जा रही है। पंजाब सरकार ने भी चेतावनी दी है कि जो भी राज्य में शांति भंग करने का प्रयास करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और वहां सुरक्षा-व्यवस्था के मामले में किसी भी तरह की कोताही किसी बड़ी आतंकी साजिश को हवा दे सकती है। ऐसे में अमृतपाल वहां अलगाववादी आंदोलन भड़काने की कोशिश कर रहा था, फिर भी पंजाब पुलिस उस तरह सख्ती बरतती नजर नहीं आई थी, जैसी अपेक्षा की जाती है। क्या वजह थी कि अजनाला थाने पर हमले के बाद भी उसे निर्भय घूमते रहने का मौका दिया गया और वह पत्रकारों को साक्षात्कार दे रहा था। फिर जब पुलिस अमृतपाल को पकड़ने के लिए सक्रिय हुई, तब भी वह कैसे पुलिस घेरे के भीतर से भाग निकला, इस सवाल का जवाब अभी तक नहीं मिल सका है। पैंतीस दिनों तक वह लुकाछिपी का खेल खेलता रहा। कभी कहीं किसी सीसीटीवी में वह नजर आ जाता, तो कभी कहीं। जबकि उसे पकड़ने के लिए केंद्रीय सुरक्षाबल और पंजाब पुलिस मिल कर तलाशी अभियान चला रहे थे। कैसे उस तक पहुंचने में उनका खुफिया तंत्र इतने समय तक नाकाम रहा। अच्छी बात है कि अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद पंजाब में किसी तरह का बड़ा उपद्रव नहीं हुआ। इससे यह स्पष्ट है कि अमृतपाल का कोई बड़ा जनाधार था भी नहीं। मगर इसका अर्थ यह नहीं कि पंजाब सरकार को इतने भर से संतोष कर लेना चाहिए। सतत निगरानी रखनी पड़ेगी कि उसकी सुलगाई चिनगारी फिर न धधकने पाए।

पारंपरिक बीज संरक्षण की चुनौतियां

विकेश कुमार बडोला

मानव शरीर पर होने वाले विभिन्न चिकित्सीय परीक्षणों से स्पष्ट है कि स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। गांवों में खेती-बाड़ी के न होने, अनेक कारणों से छोटी जोतों में खेती-किसानी के सिमटने और पुरानी कृषक-पीढ़ी द्वारा अपनी नई पीढ़ी को पारंपरिक बीज आधारित कृषि-कर्म का व्यावहारिक ज्ञान हस्तांतरित न किए जाने के कारण आज कृषि क्षेत्र पूरी तरह से आधुनिक और व्यावसायिक हो चुका है। इसी कारण, पारंपरिक बीज संरक्षण के सरकारी यत्न निष्फल सिद्ध हो रहे हैं। मानव शरीर पर होने वाले विभिन्न चिकित्सीय परीक्षणों से स्पष्ट है कि स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके पीछे अनेक कारण हैं। पर, सबसे बड़ा और प्रमुख कारण है अप्राकृतिक और कीटनाशकों की सहायता से उत्पादित खाद्यान्न। देश में राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में कृषि कार्य के लिए सुनियोजित कार्यक्रम निर्धारित नहीं किए गए। ऐसा शुरू से होता रहा है। नतीजतन, खाद्यान्न उत्पादन का दृष्टिकोण विशिष्ट न होकर सामान्य हो गया। ग्रामीण आत्मनिर्भरता की धारणा टूटने लगी। ग्रामीण जन बड़ी संख्या में नगरों और महानगरों में आ बसे। मगर सभी के लिए खाद्यान्न की आवश्यकता तो प्राकृतिक आवश्यकता है। इसलिए, जनसंख्या के शहरों की ओर पलायन के कारण सरकारों के सामने फसलों की पैदावार बढ़ाने की विवशता उत्पन्न हुई। पैदावार बढ़ाने के लिए प्राकृतिक और जैविक विधि तत्काल लाभदायी नहीं थी, इसलिए फसली कीटों को मारने और फसल से अधिकाधिक खाद्यान्न उत्पादन के उद्देश्य से कीटनाशी दवाइयों का प्रयोग बढ़ने लगा। इससे पैदावार तो बढ़ी, खाद्यान्न भी ज्यादा हुआ, पर मनुष्य का शरीर ऐसे अन्न से रोगग्रस्त भी होता गया।

यह प्रक्रिया तीन दशक पुरानी हो चुकी है। अब इसमें कीटनाशक बनाने वाली बड़ी-बड़ी कंपनियों का दबदबा है। उनकी पूंजीगत नीतियों से ही फसलों के कीटनाशक तैयार हो रहे हैं। प्राकृतिक खेती-किसानी करने और लोगों का स्वास्थ्य अच्छा बनाने के संकल्प लेने वाली लोकतांत्रिक संस्थाओं का कीटनाशक निर्माता कंपनियों पर प्रभावशाली नियंत्रण नहीं है। अप्राकृतिक खेती करने का लंबी अवधि का व्यावहारिक अभ्यास हो चुका है। पारंपरिक बीज संरक्षण, खेती करने और जैविक रूप में खाद्यान्न उत्पादित करने की गतिविधियां भारत जैसे देशों में बहुत सीमित स्तर पर हो रही हैं। इस प्रकार के कृषि उत्पादन की खरीद केवल अमीर लोग कर सकते हैं। ऐसे में कीटनाशक युक्त खाद्यान्न का उत्पादन, वितरण और उपभोग ही ज्यादा हो रहा है। यह लोगों के स्वास्थ्य पर सीधे-सीधे बुरा प्रभाव डाल रहा है। लोग विचित्र रोगों से घिर रहे हैं। इन रोगों के निदान के लिए तत्काल कोई चिकित्सा या औषधि भी उपलब्ध नहीं होती। जीने के लिए जरूरी अनाज ही जब शुद्ध और प्राकृतिक रूप में नहीं रहा, तो आम आदमी क्या करे! इस स्थिति में सरकार पर कृषि से संबंधित नई नीतियां बना कर उनका ठोस क्रियान्वयन करने की बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। हालांकि इस दिशा में वर्तमान केंद्र सरकार ने महत्त्वपूर्ण कदम उठाए भी हैं, पर अभी इनके सकारात्मक और अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। खाद्यान्न शुद्ध हो, इसके लिए बीज और खाद पहली आवश्यकता हैं। फसलों के बीज जीएम पद्धति से उपयोगी कम और विकारग्रस्त ज्यादा हुए हैं। जीएम यानी जेनेटिकली मोडिफाइड, यानी जो बीज आनुवंशिक बीज स्वरूप, गुण और प्रभाव की दृष्टि से उपयुक्त थे और जिनमें प्राकृतिक रूप में कोई बड़ा विकार भी नहीं था, आनुवंशिक अप्राकृतिक बदलाव (जीएम) प्रक्रिया से गुजरने के बाद वे पोषणहीन, शक्तिहीन और विकृतिकारक होते गए। ऐसा होते-होते भी ढाई-तीन दशक की लंबी अवधि बीत चुकी है।

बीज की आनुवंशिकी में बदलाव की इस प्रक्रिया में मूल, प्राकृतिक और पुराने बीजों के संरक्षण का काम नहीं हुआ। बीज संरक्षण की देश में कुछेक युक्तियां किन्हीं सरकारी, अर्द्ध-सरकारी, निगमों की सहायता से हो रही हैं, पर वे भारतवर्ष की संपूर्ण कृषि-व्यवस्था को पुन: प्राकृतिक खेती की राह पर लाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। पारंपरिक बीज संरक्षण की दिशा में वैसे ही प्रयास और कार्य होने चाहिए जैसे सबसे ज्यादा बिकने वाले एफएमसीजी यानी 'फास्ट मूविंग कंज्यूमर प्रोडक्ट' बनाने से लेकर बेचने तक होते हैं। और सबसे अहम बात, ऐसे प्रयास और कार्य सरकार के स्तर पर अधिक होने चाहिए। तभी बीज संरक्षण की चुनौतियों से निपटा जा सकता है। हालांकि भारत सरकार के कृषि सहयोग एवं कृषक कल्याण विभाग के अधीन कार्यरत राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड इस काम में लगा हुआ है, पर तब भी बीजों पर अप्राकृतिक प्रयोग की प्रवृत्ति नियंत्रण में नहीं है और पारंपरिक बीजों के संरक्षण और भंडारण का उद्देश्य धरातल पर प्रभावी तरीके से नहीं हो पा रहा है। राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड पूरी तरह से भारत सरकार के स्वामित्व में है। पारंपरिक और प्रामाणिक बीजों का उत्पादन करने के उद्देश्य से सन 1963 में इसकी स्थापना गई थी। निगम वर्तमान में अपने खेतों और देश भर में मौजूद अपने 11,603 पंजीकृत बीज उत्पादकों के माध्यम से अठहत्तर फसलों की लगभग 567 किस्मों के प्रमाणित बीजों का उत्पादन कर रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में निगम का कुल राजस्व 915.72 करोड़ रुपए था। निगम के ग्यारह क्षेत्रीय कार्यालय हैं। इसके 22,000 हेक्टेयर भूमि के पांच खेत हैं। इतना ही नहीं, इसके भारत भर में अड़तालीस क्षेत्रीय कार्यालय/ उप-इकाइयां, तीस बीज उत्पादन केंद्र, 107 मार्केटिंग केंद्र, 76 बीज प्रक्रमण संयंत्र, सात वातानुकूलित बीज भंडारण सुविधाकक्ष, दो शाक बीज पैकिंग केंद्र और एक डीएनए फिंगर प्रिंटिंग लैब है।

राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड ही नहीं, केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अलावा राज्यों के कृत्रि विभाग भी फसलों की पैदावार को पोषणयुक्त, गुणवत्तापूर्ण और हर दृष्टि से स्वास्थ्यवर्द्धक बनाने के लिए अनेक नीतियां बना चुके हैं। मगर नीतियों के क्रियान्वयन में लगा कार्यकारी तंत्र भ्रष्टाचार में लिप्त है। इसीलिए ऐसे तंत्र की लापरवाहियों का फायदा फसल संबंधी कीटनाशक बनाने वाली कंपनियां उठाती हैं। सब्जियां, दालें, अनाज, मोटा अनाज, फल आदि, यहां तक कि मसालों की पैदावार में भी प्राकृतिक शक्ति नहीं बची। हर किस्म की पैदावार की प्रकृतिजन्य पौष्टिकता, स्वाद, गंध, रंग, अन्य सभी गुण खत्म हो चुके हैं। मसलन, चावल की अधिकांश उपलब्ध किस्में लंबे रूप में, शुष्क, नमहीन और पोषण-सत्व से विहीन हैं। चावल में मांड ही नहीं बचा। चावल का पारंपरिक बीज श्वेत होता है और इस पर ललंगी धारी या धारियां होती हैं। लेकिन अब यह धान-प्रजाति दिखती ही नहीं है। इसी प्रकार अन्य फसलों के बीज पारंपरिक रूप में नहीं बचे। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से और क्रांतिकारी नीतियां बना कर उनका ठोस और निर्बाध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। गांवों में खेती-बाड़ी के न होने, अनेक कारणों से छोटी जोतों में खेती-किसानी के सिमटने और पुरानी कृषक-पीढ़ी द्वारा अपनी नई पीढ़ी को पारंपरिक बीज आधारित कृषि-कर्म का व्यावहारिक ज्ञान हस्तांतरित न किए जाने के कारण आज कृषि क्षेत्र पूरी तरह से आधुनिक और व्यावसायिक हो चुका है। इसी कारण, पारंपरिक बीज संरक्षण के सरकारी यत्न निष्फल सिद्ध हो रहे हैं। इससे तो यही लगता है कि राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड के नेतृत्व में पारंपरिक बीज संरक्षण के जो कागजी संकल्प, रिकार्ड और प्रदर्शन प्रकट हैं, धरातल पर उनका प्रभाव कुछ भी नहीं है। इस अनुभव के संदर्भ में एक कटु सत्य यह भी है कि देश की बड़ी जनसंख्या की खाद्य आपूर्ति जैविक और प्राकृतिक खाद्यान्न से नहीं की जा सकती। ऐसा इसलिए कि पारंपरिक बीज संरक्षण की प्रक्रिया के बाद जो भी जैविक और प्राकृतिक पैदावार देश में होती है, अधिक मूल्य प्राप्त करने के उद्देश्य से उसका निर्यात कर दिया जाता है या ऐसी पैदावार खरीदने में केवल देश का धनी वर्ग ही सक्षम होता है। परिणामस्वरूप, देश की बड़ी आबादी अप्राकृतिक, कृत्रिम और पोषणहीन खाद्यान्न खरीदने और खाने को विवश होती है।

सिर उठाता हिंदूफोबिया

ए. सूर्यप्रकाश

दुनिया के कई देशों में इस समय हिंदुओं के विरुद्ध सुनियोजित अभियान चल रहा है। यह हिंदूफोबिया मुख्य रूप से अमेरिका और यूरोप में कट्टरपंथी इस्लामिस्ट और भारत विरोधी बुद्धिजीवियों द्वारा फैलाया जा रहा है। ऐसे में, भारत सरकार से यही अपेक्षा है कि वह हिंदूफोबिया को लेकर जारी इस बेलगाम अभियान को रोकने के लिए इन देशों को चेताए। हिंदुओं के विरुद्ध चलाई जा रही इस मुहिम के ताजा संकेत हेनरी जैक्सन सोसायटी यानी एचजेएस नाम की संस्था द्वारा ब्रिटेन में छात्रों और उनके अभिभावकों के बीच कराए गए सर्वे में सामने आए हैं। सर्वे करने वाली संस्था के अनुसार, 'ब्रिटिश स्कूलों में हिंदुओं के विरुद्ध भेदभाव की पड़ताल करने वाला यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। यह दर्शाता है कि हिंदुओं को लेकर फैलाई जा रही घृणा को रोकने के मामले में स्कूल कितने असहाय हैं।' सर्वे के अनुसार विदेशी मूल के लोगों के प्रति नापसंदगी एक बड़ा मुद्दा है। एक अन्य मुद्दा कई देवी-देवताओं की पूजा के मामले में हिंदू छात्रों पर छींटाकशी और फब्तियां कसने का है। अक्सर, बहुदेववाद और पूर्ति पूजा का उपहास उड़ाया जाता है। इस्लामिक चरमपंथ और हिंदू बच्चों पर उसका प्रभाव भी उतना ही चिंतित करने वाला पहलू है। हिंदू बच्चों को मुस्लिम छात्र 'काफिर' कहते हैं और अक्सर उनसे इस्लाम में मतांतरित होने या फिर नरक में जाने को तैयार रहने के लिए कहते रहते हैं। इस सर्वे में ब्रिटेन के 1000 स्कूलों से आंकड़े इकट्ठा किए गए तो स्वाभाविक रूप से यह एक बड़ी कवायद है। ब्रिटेन की कुल जनसंख्या में 1.7 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ हिंदू वहां तीसरा सबसे बड़ा धर्म है। हालांकि, एक प्रवासी समुदाय के रूप में ब्रिटिश हिंदुओं के अनुभवों को लेकर बहुत कम शोध-पड़ताल हुई है, लेकिन इस रिपोर्ट में संज्ञान लिया गया है कि गत वर्ष सितंबर में किस प्रकार लेस्टर और बर्मिंघम में हिंदुओं की संपत्तियों के साथ ही उनके उपासना स्थलों को निशाना बनाया गया था। दुनिया भर में हिंदू भले ही इस बात को लेकर आह्लादित हों कि ऋषि सुनक के रूप में एक धर्मपरायण हिंदू ब्रिटिश प्रधानमंत्री हैं, लेकिन उन्हें जमीनी हकीकत से परिचित होना भी आवश्यक है। इसीलिए रिपोर्ट के निष्कर्ष में इस चिंतित करते हालात को देखते हुए भारत सरकार से तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता जताई गई है। विभिन्न देशों विशेषकर तथाकथित 'उदारवादी' पश्चिमी देशों में यह रुझान कायम हो, उससे पहले भारत द्वारा कारगर कदम उठाने का आह्वान किया गया है।

एचजेएस के अनुसार जिन बच्चों का साक्षात्कार किया गया, उनके अभिभावकों में से 51 प्रतिशत ने कहा कि उनके बच्चों को हिंदू-विरोधी नफरत और उससे उपजे नुकसान का सामना करना पड़ा। जबकि केवल 19 प्रतिशत अभिभावकों ने ही स्कूलों को हिंदू-विरोधी नफरत के मामलों को देखने में सक्षम पाया। हिंदू छात्रों के विरुद्ध भी कई घटनाएं सर्वे में सामने आईं। इसमें आठ घटनाक्रम चिह्नित किए गए हैं। एक मामले में हिंदू छात्रा पर गोमांस के टुकड़े फेंके गए। वहीं एक मामले में पीड़ित छात्र को अपनी हिंदू पहचान को लेकर छेड़छाड़ से तंग आकर तीन बार स्कूल बदलने के लिए विवश होना पड़ा। सर्वे में उल्लेख है कि हिंदू छात्रों के अभिभावकों को आशंका है कि हिंदू विरोधी नफरती अभियान का मकसद भारत में आगामी आम चुनाव से पहले भारतवंशियों के बीच हिंदू-मुस्लिम तनाव को बढ़ाना है। हिंदू छात्रों के अभिभावकों को हिंदुत्व की शिक्षा से जुड़ी गुणवत्ता को लेकर भी बड़ी चिंता है। उनकी चिंता इसी बिंदु पर केंद्रित है कि हिंदुत्व को भी अब्राहमिक मजहबी नजरिये से पढ़ाया जाता है, जहां 'देवताओं' और हिंदुत्व की मुख्य अवधारणाओं की गलत व्याख्या की जाती है और यही मिथ्या अवधारणा कक्षा में निशाना बनाए जाने का मुख्य कारण बनती हैं। सर्वे की प्रस्तावना लिखने वाले कंजरवेटिव पार्टी के सांसद बेन एवरिट का कहना है कि जहां ब्रिटेन को एक बहुसांस्कृतिक, बहु-पंथक समाज होने का गर्व होना चहिए, लेकिन 'हमें अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को, विशेषकर शिक्षा प्रणाली जैसे क्षेत्रों में किसी भी भेदभाव या पूर्वाग्रह से संरक्षण प्रदान करने के लिए और उपाय करने होंगे।' उन्होंने इस सर्वे की सराहना करते हुए कहा कि यह मार्गदर्शन करने वाला एक राष्ट्रीय अध्ययन है। उन्होंने यह भी माना कि हिंदुत्व की शिक्षा से जुड़ा विरूपित दृष्टिकोण भी हिंदुओं के प्रति पूर्वाग्रह का एक कारण हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का विदेश नीति प्रतिष्ठान हिंदूफोबिया की समस्या के प्रति सतर्क हुआ है। इस दृष्टि से संयुक्त राष्ट्र जैसी सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय संस्था के मंच से हिंदूफोबिया का मुद्दा उठाने का मोदी सरकार का फैसला ऐतिहासिक रहा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि रहे टीएस तिरुमूर्ति ने अंतरराष्ट्रीय आतंक विरोधी सम्मेलन में कहा था कि अन्य सदस्य देश जब इस्लामोफोबिया और क्रिश्चियनोफोबिया के मुद्दे पर आवाज उठाते हैं तो हिंदूफोबिया के विरुद्ध क्यों नहीं। हिंदुत्व के साथ ही बौद्ध और सिख पंथ को लेकर भी उन्होंने यही तर्क प्रस्तुत किया कि इनसे जुड़े फोबिया का संज्ञान क्यों नहीं लिया जाता। इस प्रकार जवाहरलाल नेहरू के छद्म-पंथनिरपेक्ष विचारों में पगी भारतीय विदेश सेवा की ओर से शायद पहली बार देश के बहुसंख्यक धर्म के विरुद्ध उभर रहे खतरे के खिलाफ आवाज उठी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी गत वर्ष लेस्टर और बर्मिंघम में हिंदू उपासना स्थलों पर हमलों के बाद ब्रिटिश समकक्ष के साथ इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाते हुए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा था। सरकार के स्तर पर तमाम प्रयासों के बावजूद एचजेएस के सर्वे का निष्कर्ष किसी खतरे की घंटी से कम नहीं। यूरोप और अमेरिका में बड़ी संख्या में बसे हिंदुओं को देखते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि हिंदुत्व को लेकर खराब सोच या पूर्वाग्रहों के कारण उनके बच्चों को किसी भी भेदभाव का शिकार न होना पड़े। भारत सरकार को इन निष्कर्षों का संज्ञान लेकर पश्चिमी देशों में उभर रहे इन रुझानों से निपटने की रणनीति बनानी होगी।

नए युग में प्रवेश करता अंतरिक्ष क्षेत्र

डा. सुरजीत सिंह

पिछले दिनों केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 को मंजूरी प्रदान की। इसके अनुसार अंतरिक्ष अनुसंधान एवं निर्माण संबंधी कार्य भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा संचालित किए जाएंगे। साथ ही अंतरिक्ष उत्पाद एवं सेवा संबंधी गतिविधियां जैसे उपग्रह निर्माण तथा उपग्रह प्रक्षेपण आदि कार्यों के लिए निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाएगा। यानी विकसित देशों की तरह अब भारत का निजी क्षेत्र भी न सिर्फ उपग्रह निर्माण में सहयोग करेगा, बल्कि अपने निजी प्रक्षेपण स्टेशन भी विकसित कर सकेगा। वर्ष 2020 में ही सरकार ने उपग्रहों की स्थापना और संचालन के क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआइ की अनुमति निजी क्षेत्र को दी थी, जिसके परिणामस्वरूप विगत तीन वर्षों में देश में लगभग 150 स्टार्टअप्स की वृद्धि हुई है। अब इस क्षेत्र को निजी निवेशकों के लिए और अधिक आकर्षक बनाने की पहल नई अंतरिक्ष नीति में की गई है। इसके लिए विभागवार बिजनेस माडल विकसित किए गए हैं, जो उपग्रह निर्माण, राकेट एवं प्रक्षेपण स्टेशन बनाना, डाटा संग्रह और प्रसार आदि कार्यों को संचालित करेंगे। इससे न सिर्फ इस क्षेत्र में नए बुनियादी ढांचे के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि अनुसंधान, शिक्षा, स्टार्टअप और उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। जाहिर है तेजी से चमक बिखेरता अंतरिक्ष विज्ञान भारतीय अर्थव्यवस्था में नया अध्याय लिखने के लिए तैयार है, जो अंतरिक्ष अर्थशास्त्र के विकास को एक नई उड़ान प्रदान करेगा।

वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में अभी भारत का योगदान चार प्रतिशत से भी कम है, जिसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने में यह नीति एक मील का पत्थर साबित होगी। स्वदेशी उपग्रह के निर्माण और उपग्रह प्रक्षेपण की कम तुलनात्मक लागत के कारण वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2017 में इसरो ने कीर्तिमान स्थापित करते हुए 104 उपग्रहों को एक साथ अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया था, जिसमें 101 स्वदेशी उपग्रह थे। इस उपलब्धि के कारण भारत उपग्रहों के प्रक्षेपण करने वाले पसंदीदा देश के रूप में उभरा है।

संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अनुसार 2010 तक हर साल करीब 60 से 100 सेटेलाइट लांच किए जाते थे। हाल के वर्षों में इसमें तेजी आई है। वर्ष 2020 में 1,283 उपग्रह लांच किए गए। कुछ दशक पहले वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में कुछ ही देशों का वर्चस्व था। भारतीय विज्ञानियों की मेहनत एवं दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि इस मोर्चे पर भारत अब विकसित देशों के साथ खड़ा है। इंडियन स्पेस एसोसिएशन के अनुसार वर्ष 2020 में भारत का अंतरिक्ष बाजार 9.6 अरब डालर था, जो सरकार एवं निजी सहभागिता से 2025 तक बढ़कर 13 अरब डालर हो जाएगा। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2020 में 450 अरब डालर की थी, जो 2025 तक बढ़कर 600 अरब डालर होने की संभावना है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ने का प्रमुख कारण यह है कि पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए गए हैं। आज वैश्विक स्तर पर इसरो छठी सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी के रूप में स्थापित हो चुका है। 2014 में भारत विश्व में पहली बार में ही सफलतापूर्वक मंगल पर पहुंचने वाला देश बन चुका है। 2017 में 100 से अधिक उपग्रह भेजने वाला विश्व का पहला देश बन चुका है। हाल में इसरो ने रियूजेबल लांच व्हीकल (आरएलवी) के प्रक्षेपण में बड़ी सफलता हासिल की है। यह उपग्रह को अंतरिक्ष में स्थापित कर वापस लौट आएगा, जिससे न सिर्फ इसकी लागत में कमी आएगी, बल्कि मानव को अंतरिक्ष में घुमाने में भी इसका प्रयोग किया जा सकेगा। 2024 तक अंतरिक्ष में मानव एवं रोबोट को भेजने की योजना है। देश की खगोलीय क्षमता को बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र के हिंगोली में लीगो (लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल-वेव आब्जर्वेटरी) की स्थापना की मंजूरी दी गई है। यह वेधशाला 2030 तक तैयार हो जाएगी।

अंतरिक्ष क्षेत्र के विस्तार ने भारत के आर्थिक जीवन की दशा एवं दिशा, दोनों में बदलाव ला दिया है। बदलते समय के साथ अंतरिक्ष क्षमताएं आधुनिक समाज की जरूरत बनती जा रही हैं। विभिन्न उद्देश्यों वाले उपग्रहों के प्रक्षेपण से मीडिया, इंटरनेट एवं 5जी, विमानन, रक्षा, रिटेल, एयरोस्पेस आदि क्षेत्रों में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। मौसम की भविष्यवाणी, मत्स्य पालन, शहरी प्रबंधन, जंगलों के संसाधनों का मानचित्रण, कृषि उपज, भूजल और जल संग्रहण क्षेत्र के विश्लेषण में अंतरिक्ष विज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) कवरेज के बढ़ने से सामाजिक समस्याओं का प्रबंधन आसान हुआ है। भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम द्वारा अब भारत अपने पड़ोसी क्षेत्रों में सटीक सेवाएं प्रदान कर रहा है। अंतरिक्ष विज्ञान की मदद से सामाजिक एवं आर्थिक लाभ के साथ-साथ पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध स्थापित करने में भी मदद मिलती है। साथ ही राष्ट्र के व्यापार संतुलन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुल मिलाकर वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और पड़ोसी देशों चीन एवं पाकिस्तान के साथ घटते विश्वास में भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 एक मील का पत्थर साबित होगी। इस क्षेत्र में व्यावसायीकरण के नियमों पर बल देते हुए देशहित को ही सर्वोपरि महत्व देना होगा। नए युग में प्रवेश कर रहे भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के वाणिज्यिक उपयोग से अंतरिक्ष अर्थशास्त्र को बढ़ावा मिलेगा, जिससे न सिर्फ भारत की वैश्विक आर्थिक हिस्सेदारी बढ़ेगी, बल्कि यह देश के आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण प्रवर्तक के रूप में भी उभरेगी।

70 सर्वसुविधायुक्त सीएम राइज विद्यालयों के लिये 2847 करोड़ 63 लाख रुपये स्वीकृत

-1207 करोड़ 36 लाख रूपये की सिंचाई परियोजनाओं के लिए पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

-मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। मंत्रि-परिषद ने स्कूल शिक्षा के प्रस्ताव और परियोजना परीक्षण समिति की अनुशंसा अनुसार प्रदेश में 70 सर्वसुविधायुक्त विद्यालयों के लिये अनुमानित लागत 2847 करोड़ 63 लाख रूपये से निर्माण किये जाने का निर्णय लिया। प्रदेश में सी.एम. राइज योजना के प्रथम चरण में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 275 विद्यालय विकसित किये जा रहे हैं।

1207 करोड़ 36 लाख रूपये की सिंचाई परियोजनाओं के लिए पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा पन्ना जिले की रूंज मध्यम सिंचाई परियोजना लागत राशि 513 करोड़ 72 लाख रूपये, सैंच्य क्षेत्र 14 हजार 450 हेक्टेयर की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। परियोजना से पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील के 47 ग्रामों के 14 हजार 450 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा। मंत्रि-परिषद द्वारा मझगाँय मध्यम सिंचाई परियोजना लागत राशि 693 करोड़ 64 लाख रूपये सैंच्य क्षेत्र 13 हजार 60 हेक्टेयर रबी की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। परियोजना से पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील के 38 ग्रामों के 13 हजार 60 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।

निशुल्क भूमि आवंटन

मंत्रि-परिषद ने देवी अहिल्याबाई होल्कर स्मारक प्रतिष्ठान इन्दौर को ग्राम कस्बा इंदौर में 1.215 हेक्टेयर भूमि का नि:शुल्क आवंटन करने का निर्णय लिया।

नगरीय क्षेत्रों की शासकीय भूमि धारकों के धाराणाधिकार संबंध में अनुसमर्थन

मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आदेश 31 मार्च 2023 का अनुसमर्थन किया। नगरीय क्षेत्रों की शासकीय भूमि के धारकों के धारणाधिकार संबंधी मुख्यमंत्री नगरीय भू-अधिकार योजना में नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर काबिज व्यक्तियों की पट्टा हेतु पात्रता अवधि (अधिभोग की तिथि) में वृद्धि कर 31 दिसम्बर, 2014 से बढ़ा कर 31 दिसम्बर, 2020 की जाये। नगरीय क्षेत्रों की शासकीय भूमि में धारकों के धारणाधिकार संबंधी विभागीय परिपत्र दिनांक 24 सितम्बर, 2020 की प्रक्रिया एवं उपबंधों का अनुसरण करते हुए ऐसे अधिभोगी जो 31 जुलाई 2023 तक सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवेदन करते हैं तो उन पात्र अधिभोगियों को नियमानुसार प्रब्याजि एवं भू-भाटक लेकर उनके अधिभोग के भूखंडों के 30 वर्षीय स्थाई पट्टे जारी किये जायें। ऐसे मामलों में जिनमें इस परिपत्र के जारी होने की दिनांक के पूर्व लिए गए निर्णयों के अनुसरण में प्रीमियम राशि जमा की जा चुकी है, उन्हें पुन: विचार हेतु नहीं खोला जाएगा और न ही उन्हें कोई राशि वापिस प्राप्त करने अथवा भविष्य में देय राशि के समायोजन की पात्रता होगी।

लाइनमेन के लिए जोखिम भत्ता की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने लाईनमेन के विपरीत एवं विषम परिस्थितियों तथा जोखिम भरे कार्य के दृष्टिगत निर्णय लिया गया कि प्रदेश की विद्युत वितरण कंपनियों में आउटसोर्स के माध्यम से नियोजित आई. टी. आई. उत्तीर्ण श्रमिक, जो कंपनी में लाइनमेन का कार्य कर रहे हैं, को श्रमायुक्त द्वारा निर्धारित प्रतिमाह वेतन के अतिरिक्त 1000 रूपये का जोखिम भत्ता प्रदान किया जायेगा। ऐसे कार्यरत लाइनमेन को कंपनियों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किए जाने एवं तत्संबंधी आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण करने पर इस वर्ग में नियोजन की पात्रता होगी।

6 उत्पाद के लिए 10 जिलों का चयन

प्रदेश में जिले की विशेषता के आधार पर उनके द्वारा निर्मित उत्पाद की उत्पादन क्षमता में वृद्धि, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग के लिये शासन द्वारा औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के माध्यम से एक जिला एक उत्पाद अंतर्गत जिलेवार उत्पादों का चयन किया गया है। मंत्रि-परिषद में कृषि संबंधी 6 उत्पाद अंतर्गत 10 जिलों में शामिल कोदो-कुटकी जिला अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, सिंगरौली, तुअर दाल जिला-नरसिंहपुर, चना जिला-दमोह. बासमती चावल जिला रायसेन, चिन्नौर चावल जिला-बालाघाट एवं सरसों जिला भिण्ड एवं मुरैना को %एक जिला-एक उत्पाद% हेतु प्रशिक्षण एवं मूल्य संवर्धन योजना लागू करने का निर्णय लिया। योजना का क्रियान्वयन संचालक, किसान-कल्याण तथा कृषि विकास, भोपाल के माध्यम से किये जाने का निर्णय लिया गया।

राजस्व न्यायालयों के कम्प्यूटरीकरण को स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने राजस्व न्यायालयों की कम्प्यूटरीकरण परियोजना ऋष्टस्र् 4.0. का विकास किए जाने के लिए आगामी 5 वर्षों (2023-24, 2024- 25, 2025-26, 2026-27 एवं 2027-28) के लिए तकनीकी एवं वित्तीय प्रस्ताव राशि 73 करोड़ 48 लाख 65 हजार का व्यय किये जाने तथा ऋष्टस्र्4.0 का विकास किए जाने की अवधि में समानांतर रूप से ऋष्टस्र् परियोजना 3.0 को आगामी दो वर्षों (2023-24 एवं 2024-25) तक जारी रखने ?9 करोड़ 78 लाख रूपये का व्यय किये जाने की स्वीकृति प्रदान की।

25 नवीन चलित एवं 20 नवीन स्थायी रसोई केन्द्रों की मंजूरी

मंत्रि-परिषद द्वारा दीनदयाल अन्त्योदय योजना के द्वितीय चरण में स्थापित 100 रसोई केन्द्रों के अतिरिक्त 20 निकायों में 20 नवीन स्थाई रसोई केन्द्र तथा ऐसे लोगों की मदद के लिये जो स्थाई रसोई केंद्रों पर नहीं पहुँच पाते हैं, उनके लिये 16 नगर निगम तथा पीथमपुर एवं मण्डीदीप में कुल 25 नवीन चलित रसोई केन्द्र (इस प्रकार कुल 45 नवीन रसोई केन्द्र) खोले जाने का निर्णय लिया गया। कोविड-19 महामारी के समय रसोई केन्द्रों की महत्ता भी प्रदर्शित हुई। इसलिये 26 फरवरी, 2021 को रसोई योजना के द्वितीय चरण में 52 जिला मुख्यालयों तथा 06 धार्मिक नगर मैहर, ओंकारेश्वर, महेश्वर, अमरकंटक, ओरछा एवं चित्रकूट में कुल 100 रसोई केंद्रों का संचालन आरंभ किया गया था। योजना में प्रत्येक जरूरतमंद को रुपये 10/- प्रति व्यक्ति की दर से भोजन उपलब्ध कराया जाता है। आज तक 01 करोड़ 62 लाख थालियों का वितरण किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में व्यवसाय एवं श्रम कार्यों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से जरूरतमंद व्यक्तियों और परिवारों का आगमन होता है। शासन द्वारा प्रदेश के 55 नगरीय निकायों में 119 रैन बसेरा/आश्रय स्थलों में इनके लिये अस्थाई आश्रय तथा दीनदयाल अन्त्योदय रसोई योजना के प्रथम चरण 7 अप्रैल, 2017 से प्रदेश के 51 नगरीय निकायों के 56 रसोई केन्द्रों में किफायती दरों पर पौष्टिक भोजन की व्यवस्था की गई है।

972 पदों की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत 1000 बिस्तर नवीन निर्मित चिकित्सालय के संचालन के लिए नियमित स्थापना हेतु 488 पद और आउटसोर्स के 484 पद विभिन्न संवर्ग को मिला कर 972 नवीन पद सृजित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

328 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सतना में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना हेतु पूर्व में जारी प्रशासकीय स्वीकृति 4 अक्टूबर, 2018 में प्रथम चरण के निर्माण कार्य हेतु स्वीकृत राशि 300 करोड़ रुपये के स्थान पर 328 करोड़ 79 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

फसल क्षति की सहायता राशि के मानदण्डों में संशोधन

मंत्रि-परिषद द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड छ: क्रमांक 4 में वर्तमान में प्राकृतिक आपदा से फसल क्षति हेतु परिशिष्ट-1 (एक) (क) की तालिका के अनुक्रमांक 01 एवं 02 में संशोधन का अनुसमर्थन किया गया। लघु एवं सीमांत 0 से 2 हेक्टेयर तक कृषि भूमि धारित करने वाले कृषक/खातेदार को वर्षा आधारित फसल के लिए 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 5 हजार 500 रूपये, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 8 हजार 500 रूपये, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 17 हजार रूपये, सिंचित फसल के लिए प्रति हेक्टेयर 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 9 हजार 500 रूपये, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 16 हजार रूपये, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार 500 रूपये, बारामाही (पैरीनियल) (बोवाई/रोपाई से 6 माह से कम अवधि में 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर) फसल के लिये 9 हजार 500 रुपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 19 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, बारामाही (पैरीनियल) (बोवाई/रोपाई से 6 माह से अधिक अवधि के बाद 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने) पर फसल के लिये 16 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 21 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, सब्जी, मसाले तथा ईसबगोल की खेती के लिये 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 19 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 27 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर दिया जाएगा। 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर सेरीकल्चर (एरी. शहतूत और टसर) फसल के लिये 6 हजार 500 रूपये प्रति हेक्टेयर तथा मूंगा के लिये 8 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर दिया जाएगा। 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर सेरीकल्चर (एरी. शहतूत और टसर) फसल के लिये 13 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर तथ मूंगा के लिये 16 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर दिया जाएगा। इसी प्रकार लघु एवं सीमांत कृषक से भिन्न कृषक-2 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि धारित करने वाले कृषक / खातेदार को वर्षा आधारित फसल के लिए 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 5 हजार रूपये, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 7 हजार 300 रुपये, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 14 हजार 600 रूपये, सिंचित फसल के लिए प्रति हेक्टेयर 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 7 हजार रूपये, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 14 हजार 500 रूपये, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 29 हजार रूपये, बारामाही (पैरीनियल) (बोवाई/रोपाई से 6 माह से कम अवधि के बाद 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर) फसल के लिये 7 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 19 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, बारामाही (पैरीनियल) (बोवाई/रोपाई से 6 माह से अधिक अवधि के बाद 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर) फसल के लिये 13 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 19 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, सब्जी, मसाले तथा ईसबगोल की खेती के लिये 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 15 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 19 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर अनुदान सहायता राशि दी जाएगी।

अन्य निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा शासकीय नवीन महाविद्यालय, नंदानगर, इंदौर में स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय प्रारंभ किए जाने हेतु 25 शैक्षणिक नवीन पद सृजन की स्वीकृति प्रदान की गयी।

शिक्षक के खिलाफ की थी झूठी शिकायत

जनसुनवाई में छात्रा ने किया खुलासा

छतरपुर। खजुराहो थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टिकरी की एक छात्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन दिया है, जिसमें उसने कहा है कि कुछ लोगों के बहकावे में आकर उसने अपने शिक्षक की थाने में झूठी शिकायत कर दी थी, जिसका उसे पछतावा है। छात्रा ने कलेक्टर से थाने में की गई शिकायत को निरस्त कराने की मांग की है।

टिकरी निवासी छात्रा ने बताया कि कक्षा 12वीं में उसने गांव के एक शिक्षक से कोचिंग ली थी जिसकी फीस वह नहीं दे पाई थी। कुछ दिन बाद जब शिक्षक उसके घर फीस मांगने आया था तभी उसके भाई ने शिक्षक को घर में आते देख लिया और शिक्षक के साथ उसके संबंध होने का गलत अनुमान लगा लिया। इसके बाद मोहल्ले के कुछ लोगों ने उसे थाने में शिकायत करने के लिए उकसाया और शिकायत करने पर पैसे मिलने की बात कही। लोगों के बहकावे में आकर छात्रा ने खजुराहो थाने में शिक्षक के विरुद्ध बलात्कार की झूठी शिकायत कर दी। छात्रा ने कहा है कि अब उसे अपने द्वारा किए कृत्य पर पछतावा हो रहा है, क्योंकि उसके शिक्षक निर्दोष हैं। छात्रा ने कलेक्टर को आवेदन देकर उसके द्वारा खजुराहो में थाने में की गई झूठी शिकायत को निरस्त कराने की मांग की गई है।

खेरा-कसार में धमकाने का वीडियो हुआ वायरल

पीड़ित पक्ष ने की एसपी से शिकायत

छतरपुर। जिले के झुझारनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खेरा-कसार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें कुछ लोग हाथ में कट्टा और लाठी-डंडे लेकर धमकाते नजर आ रहे हैं। इस मामले के पीड़ित पक्ष ने मंगलवार को एसपी से शिकायत करते हुए थाना पुलिस पर कार्यवाही न करने के आरोप भी लगाए हैं।

खेरा-कसार निवासी राजू अनुरागी ने बताया कि वायरल वीडियो में जो लोग दिख रहे हैं वह गांव के एक प्रजापति परिवार के लोग हैं, जो दबंगई दिखाने के लिए कट्टा और लाठी-डंडों दिखाकर उसके परिवार को धमका रहे हैं। राजू के मुताबिक आरोपियों से उसके परिवार का किसी तरह का कोई विवाद नहीं है, उनके द्वारा सिर्फ दबंगई दिखाने के लिए इस तरह का कृत्य किया जा रहा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि इस संबंध में उनके द्वारा झुझारनगर थाने में शिकायत की गई थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। पीड़ितों ने एसपी को आवेदन देकर कार्यवाही करने की मांग की है।

आईटीआई कालेज में लगाया गया कैंपस ड्राइव शिविर

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में मंगलवार को आईटीआई कॉलेज छतरपुर में कैंपस ड्राइव शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गोदरेज और डीसेट कंपनी के प्रतिनिधियों ने युवाओं का साक्षात्कार लिया। बताया गया है कि आईटीआई कॉलेज में आयोजित कैंपस ड्राइव शिविर के दौरान गोदरेज कंपनी के प्रतिनिधियों ने कुल 281 युवाओं का साक्षात्कार लिया जबकि डीसेट कंपनी के प्रतिनिधियों ने 26 युवाओं का साक्षात्कार लेकर 23 का चयन किया है। हालांकि फाइनल लिस्ट कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी जारी करेंगे। कैंपस ड्राईव के लिए कुल 406 पंजीयन किये गए थे जिसमें शासकीय और निजी आईटीआई कॉलेजों के युवा शामिल रहे।

आतंक फैलाने वाले पड़ोसी से जुड़ना मुश्किल, बिलावल के दौरे से पहले जयशंकर की पाकिस्तान को दो टूक

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की बैठक अगले महीने नई दिल्ली में होने वाली है. इसमें पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भी पहुंच रहे हैं. इस बैठक में भारतीय विदेश मंत्री से उनका सामना भी होगा. लेकिन यहां उसकी भारत के विदेश मंत्री के सामने दाल गलने वाली नहीं है. पनामा के दौरे पर गए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को दो टूक समझा दिया है कि रिश्ते सुधारने के लिए पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद को रोकना होगा.

आर्थिक तंगी से जूझ रहा पाकिस्तान भारत से रिश्ता सुधारने के लिए बेकरार है. यही वजह है कि बिलावल एससीओ की बैठक में शामिल होने पहुंच रहे हैं. उनके चाचा पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तो पहले ही कह चुके हैं कि पाकिस्तान को सबक मिल चुका है. बिलावल भुट्टो को इस दौरे से बड़ी उम्मीदें लेकर आने वाले हैं लेकिन उसके पहले ही जयशंकर ने भारत का संदेश पहुंचा दिया है कि आतंकवाद और बात दोनों साथ नहीं चल सकते.

आतंकवाद फैलाने वाले के साथ जुड़ना मुश्किल

पनामा में पत्रकारों से बात करते हुए जयशंकर ने कहा, हमारे लिए एक ऐसे पड़ोसी के साथ जुड़ना बहुत मुश्किल है जो हमारे खिलाफ सीमा पार से आतंकवाद फैलाता है. हमने हमेशा कहा है कि उन्हें सीमा पार आतंकवाद को प्रोत्साहित करने, प्रायोजित करने और उसे अंजाम न देने की प्रतिबद्धता को पूरा करना होगा. हम उम्मीद करते हैं कि एक दिन हम उस मुकाम पर पहुंचेंगे.

पिछले हफ्ते ही सेना के ट्रक पर हमला

जयशंकर की इस टिप्पणी को पिछले सप्ताह जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में हुए बर्बर आतंकी हमले के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. पुंछ में सेना के ट्रक पर हुए हमले में सेना के 5 जवान शहीद हो गए थे.

पुंछ हमले में सामने आया था कि इसके लिए पाकिस्तान से चलने वाले लश्कर-ए-तैयबा का हाथ था. साथ ही ये हमला पाकिस्तान की उस घोषणा के कुछ घंटों बाद ही हुआ था, जिसमें उसने बताया था कि बिलावल भुट्टो मई में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में भारत जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे.

पाकिस्तान खत्म करे आतंकवाद

जयशंकर ने बार-बार पाकिस्तान पर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने और विभिन्न आतंकी संगठनों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराने का आरोप लगाया है. भारत ने हमेशा अपनी पड़ोसी पहले नीति को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंधों की इच्छा की है. भारत ने साफ कर दिया है कि दोनों देशों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए आतंकवाद और हिंसा से मुक्त माहौल होना जरूरी है और ऐसा माहौल बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है.

ओंकारेश्वर में शंकराचार्य जी की प्रतिमा स्थापना अगस्त माह में

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रि-परिषद की बैठक के पूर्व मंत्रीगण को संबोधित किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मंत्रालय सभाकक्ष में मंत्रि-परिषद की बैठक शुरू होने से पहले मंत्रीगण से कहा कि मध्यप्रदेश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी समृद्ध परंपराओं, संस्कृति की विशेषताओं और भारतीय दर्शन को नई पीढ़ी तक ले जाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। आज आदि गुरु शंकराचार्य जी, रामानुजाचार्य जी के साथ ही सूरदास जी का भी प्राकट्य दिवस है। ये अद्भुत संत थे। शंकराचार्य जी ने रामेश्वरम से लेकर बद्रीनाथ तक उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्र को एक करने का कार्य किया। इस भाव से ही ओंकारेश्वर में एकात्म धाम का निर्माण किया जा रहा है। यहाँ आगामी 15 अगस्त तक शंकराचार्य जी की विशाल प्रतिमा भी स्थापित होगी। साथ ही अद्वैत संस्थान का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इसी श्रंखला में सागर में संत रविदास जी के मंदिर का निर्माण हो रहा है। जाम सावली हनुमान धाम, सलकनपुर में देवी लोक, दतिया में माँ पीतांबरा माई लोक, ओरछा में रामराजा लोक का निर्माण किया जा रहा है। संत-महात्माओं के साथ जनजातीय नायकों और क्रांतिकारियों के योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें सम्मानित करने के लिए उनकी प्रतिमाओं की स्थापना विभिन्न स्थान पर की जा रही है।

राजा भभूत सिंह का योगदान रेखांकित होगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सतपुड़ा क्षेत्र में देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले राजा भभूत सिंह का योगदान भी सामने लाया जाएगा। कालगढ़ी का जीर्णोद्धार कार्य भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा सभी वर्गों के विकास के साथ सामाजिक समरसता को बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है। चाहे अनुसूचित जाति समाज हो या अनुसूचित जनजाति वर्ग, पिछड़ा वर्ग या सामान्य वर्ग, सभी के कल्याण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। ब्राह्मण बोर्ड के गठन, संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन, मंदिरों की भूमि की सुरक्षा के संबंध में प्रावधान, पुजारियों के लिए मानदेय वृद्धि की पहल भी प्रदेश में हुई है। सभी वर्गों के कल्याण का कार्य किया जा रहा है। संघर्ष नहीं समन्वय के सिद्धांत पर जहाँ पेसा नियम लागू किया गया, वहीं महू और ग्वालियर में अंबेडकर महाकुंभ एवं सागर में रविदास जयंती के आयोजन हुए हैं।

भोपाल में भगवान परशुराम जयंती पर सभी वर्गों की भागीदारी सामाजिक समरसता का प्रतीक

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनेक क्षेत्रों में प्रभावी पहल की गई है। हाल ही में भगवान परशुराम जी की जयंती पर भोपाल में सभी वर्गों के नागरिकों ने शोभायात्रा में भागीदारी की। नागरिकों को रामचरित मानस की प्रतियाँ दी गईं। भगवान परशुराम जी की जयंती सभी वर्गों का उत्सव बनी। ऐसे कार्यक्रम में व्यापक जन-भागीदारी सामाजिक समरसता का प्रतीक है। हम सभी मनुष्यों में एक ही चेतना व्याप्त है। वसुधैव कुटुंबकम का भाव भारत की प्रतिष्ठा विश्व में बढ़ा रहा है।

संस्कृति विभाग को बधाई

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रीवा में सोमवार को हुए कार्यक्रम का भी उल्लेख किया, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शामिल हुए। विभिन्न विकास योजनाओं की शुरूआत के साथ ही कार्यक्रम में संस्कृति विभाग द्वारा प्रस्तुत नृत्य-नाटिका卐धरती कहे पुकार के卐 को देखने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी 10-15 मिनट अपने स्थान पर खड़े रहे। इस नृत्य-नाटिका में रासायनिक उर्वरकों से होने वाली क्षति के बारे में जानकारी देते हुए जन-जागृति के उद्देश्य से प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस शानदार नाट्य प्रस्तुति के लिए संस्कृति विभाग को बधाई दी।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजभवन में नवनिर्मित जिम्नेजियम का उद्घाटन किया

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मंगलवार को राजभवन स्थित पुलिस बैरक में पुलिस कर्मियों के लिए नवनिर्मित जिम्नेजियम का उद्घाटन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने जिम्नेजियम में स्थापित सभी उपकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ट्रेड मिल पर चलने, रिकमबेंट बाइक चलाने और डम्बल उठा कर जिम का शुभारम्भ किया। राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री संजीव कुमार झा, जनजातीय प्रकोष्ठ के सचिव श्री बी. एस. जामोद एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को बताया गया कि नवनिर्मित जिम्नेजियम पूर्णतः वातानुकूलित है। शारीरिक फिटनेस के लिए आवश्यक सभी व्यायाम के उपकरण और मशीनें करीब 50 लाख रूपए की लागत से स्थापित की गई। जिम में स्थापित उपकरणों में ट्रेड मिल, क्रॉस ट्रेनर, रिकमबेंट बाइक, स्ट्रेच मशीन, लेग एक्सटेंशन, लेग कर्ल, इनर आउटर थाई, सीटेड-रो और बीटल रोप शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नीम, आम और अमरूद के पौधे लगाए

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट पार्क में नीम, आम और अमरूद के पौधे लगाए। सामाजिक कार्यकर्ता श्री किशन राठौर ने अपने जन्म-दिवस पर पौध-रोपण किया। भोपाल विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अनिल अग्रवाल लिली के साथ श्रीमती तृप्ति पाराशर ने अपनी जन्म वर्षगाँठ पर और मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता सुश्री प्रिया सोनपार ने भी पौधे रोपे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने टीवी चैनल प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि आज आदि शंकराचार्य जी, रामानुजाचार्य जी के साथ ही सूरदास जी का अवतरण दिवस है। इनके चरणों में प्रणाम। इन्होंने समानता का संदेश दिया और यह स्थापित किया कि एक ही चेतना सभी प्राणियों में व्याप्त है। आज की पीढ़ी को यह दर्शन समझने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में ओरछा में श्रीराम राजा कॉरिडोर एवं वनवासी राम लोक, जाम सावली में हनुमान धाम, सलकनपुर में देवी लोक, दतिया में माई पीतांबरा धाम का निर्माण और ओंकारेश्वर में एकात्म धाम के विकास के कार्य हो रहे हैं। इन कार्यों की श्रंखला श्रीमहाकाल लोक के निर्माण से प्रारंभ हुई। यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण के प्रयास हैं। कृषि क्षेत्र की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि देश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा है। गेहूँ का उत्पादन साढ़े 4 गुना से अधिक, सरसों का उत्पादन 37 गुना, धान का उत्पादन साढ़े 5 गुना और मूंग उत्पादन 7 गुना बढ़ा है। कृषि क्षेत्र में विकास की सभी संभावनाओं को साकार किया जा रहा है। प्रदेश को निरंतर कृषि कर्मण अवार्ड प्राप्त हुए हैं। प्राकृतिक और जैविक कृषि का विकास भी किया जा रहा है।

पूरे देश में विद्युत आपूर्ति और उपभोक्ता सेवाओं के मामले में छटवे स्थान पर पहुँची मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी

भोपाल। बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही बेहतर उपभोक्ता सेवाएं प्रदान करने के मामले में पूरे देश की 58 डिस्कॉम के मध्य ''कंज्यूमर सर्विस रेटिंग ऑफ डिस्कॉम्स'' में दस पायदान का सुधार करते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को छटवा स्थान मिला है। केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय भारत सरकार और ग्रामीण विद्युतीकरण निगम द्वारा पूरे देश की 58 बिजली कंपनियों के मध्य वर्ष 2021-22 की ''कंज्यूमर सर्विस रेटिंग ऑफ डिस्कॉम्स'' जारी की है। इसमें मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को परिचालन विश्वसनीयता, नये कनेक्शन, मीटरिंग, बिलिंग, राजस्व संग्रहण, विद्युत एवं अन्य उपभोक्ता शिकायत निराकरण तथा उपभोक्ता सेवाओं के मामलों में बी प्लस रेटिंग के साथ पूरे देश में छठवा स्थान दिया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर पूरे स्टाफ को बधाई दी है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा है कि उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही बेहतर से बेहतर उपभोक्ता सेवाएं प्रदान करने लिए कंपनी कृत संकल्पित है। इसी दिशा में लगातार विद्युत अधोसंरचना विकास और उपभोक्ता सेवाओं में विस्तार किया जा रहा है। कंपनी द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नवीनतम तकनीकों का उपयोग करते हुए कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के सभी बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के साथ ही बेहतर उपभोक्ता सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। नवीनतम तकनीक आधारित सेवाओं से एक ओर जहाँ उपभोक्ताओं के समय की बचत होने के साथ ही त्वरित सुविधाएं मिल रहीं हैं वहीं दूसरी ओर कंपनी को इन सेवाओं में लगने वाले अतिरिक्त मेनपावर की बचत होने के साथ ही राजस्व लाभ भी हो रहा है।

गौरतलब है कि केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के अधीन ग्रामीण विद्युतीकरण निगम द्वारा विद्युत आपूर्ति, उपभोक्ता सेवाएं, शिकायत निराकरण एवं अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों के आधार पर विश्लेषण कर वर्ष 2021-22 के लिए पूरे देश की बिजली कंपनियों की ''कंज्यूमर सर्विस रेटिंग ऑफ डिस्कॉम्स'' रेटिंग जारी की है। प्राप्त परिणामों के आधार पर इस रेटिंग में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को छठवा, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर को अठारवां तथा पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर को छब्बीसवां स्थान मिला है।

केरल में वंदे भारत का उद्घाटन कर बोले पीएम मोदी, दुनिया भारत को मान रही विकास का स्पॉट

नई दिल्ली। पीएम मोदी आज (25 अप्रैल) केरल के दौरे पर गए हैं यहां पर उन्होंने कई प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया. यहां उन्होंने एक जनसमूह को संबोधित किया है. इस अवसर पर पीएम ने कहा, केरल के पास देश और दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है. केरल का विकास होगा तभी भारत का विकास होगा. आज केरल को विकास से संबंधित कई प्रोजेक्ट्स मिले हैं. आज केरल को पहली वंदे भारत ट्रेन मिली है. वंदे भारत ट्रेन मेड इन इंडिया ट्रेन है.

बीते 9 साल में देश का हुआ है विकास

पीएम मोदी ने कहा कि बीते 9 सालो में भारत का विकास हुआ है. केंद्र में एक निर्णायक सरकार है जो भारत के हित में फैसले लेती है. उन्होंने कहा, भारत की बढ़ती हुई शक्ति और इसकी ताकत का लाभ विदेश में रहने वाले प्रवासियों को भी मिल रहा है. बीते 9 सालों से भारत में कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर अभूतपूर्व स्केल पर काम किया जा रहा है.

पीएम ने कहा, आज हम देश के पब्लिक ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक सेक्टर का पूरी तरह से कायाकल्प कर रहे हैं. हम भारतीय रेल के स्वर्णिम युग की तरफ बढ़ रहे हैं. देश के पब्लिक ट्रांसपोर्ट को आधुनिक बनाने की दिशा में हमने एक और प्रयास किया है. हमारा प्रयास स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल मेड इन इंडिया समाधान देने का है. सेमी-हाई स्पीड ट्रेन हो, रो-रो फेरी हो, रोप-वे हो जहां जैसी जरूरत, वहां वैसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है.

वॉटर मेट्रो का प्रोजेक्ट भी मेड इन इंडिया है

पीएम ने कहा, कोच्चि वॉटर मेट्रो का प्रोजेक्ट भी मेड इन इंडिया है, यूनिक है. इसके लिए मैं कोच्चि शिपयार्ड को भी बधाई देता हूं. वॉटर मेट्रो से कोच्चि के इर्द-गिर्द के द्वीपों पर रहने वाले लोगों को सस्ता और आधुनिक ट्रांसपोर्ट मिलेगा. इससे कोच्चि की ट्रैफिक समस्या भी कम होगी और बैक वॉटर पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा. केरल में हो रहा यह प्रयोग देश के अन्य राज्यों के लिए भी मॉडल बनेगा.

ऊर्जा बचत के लिए 365 दिन सावधानियों का पालन ज़रूरी- श्री मंगुभाई पटेल

राज्यपाल ने सक्षम संरक्षण क्षमता महोत्सव 2023 का किया शुभारंभ

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ऊर्जा की बचत के लिए 365 दिन छोटी-छोटी सावधानियां और कार्यों का पालन किया जाना ज़रूरी है। आज ऊर्जा की बचत कल के भविष्य की सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण अभियान की सफलता के लिए सामाजिक सोच का होना ज़रूरी है। ऊर्जा संरक्षण को आदत बनाने के प्रयास आवश्यक हैं। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल आज सक्षम संरक्षण क्षमता महोत्सव 2023 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री पटेल ने इस अवसर पर आकाश में गुब्बारे उड़ा, जागृति रथ को झंडी दिखा कर रवाना किया। ऊर्जा संरक्षण शपथ ग्रहण कराई। कार्यक्रम में सक्षम अभियान पर आधारित नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। सक्षम महोत्सव शुभारम्भ कार्यक्रम का आयोजन पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और पेट्रोलियम संरक्षण संघ के तत्वावधान में मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल में किया गया था।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सरकार के प्रयासों में समाज की सहभागिता उसकी सफलता का आधार होती है। सामान्यतः देखा गया है कि माता-पिता, संतान के सुखी भविष्य के लिए धन की बचत करते है किन्तु पर्यावरण की अनदेखी करते है, जबकि भावी पीढ़ी का भविष्य धन से नहीं, स्वस्थ्य और स्वच्छ पर्यावरण से ही सुरक्षित हो सकता है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी ने कहा था कि पृथ्वी हर आदमी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन प्रदान करती है, लेकिन हर आदमी के लालच को वह पूरा नहीं कर सकती है। बापू के इसी भाव के साथ दूरदर्शी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भावी पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत देने के लिए दुनिया का नेतृत्व कर रहे है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मोदी जी द्वारा पंचामृत की पाँच प्रतिबद्धताएँ तय कर के अर्थव्यवस्था की कार्बन इंटेंसिटी को 45 प्रतिशत से भी कम करते हुए वर्ष 2070 तक नेट जीरो करने के लक्ष्य पर कार्य किया जा रहा है। सभी जिलों में कंप्रेस्ड गैस और कंप्रेस्ड बायोगैस के नेटवर्क द्वारा आत्म-निर्भरता के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के प्रयासों में दुनिया में अग्रणी है। भारत दुनिया का पहला देश है जो बी.एस.-4 से सीधे बी.एस.-6 में गया है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि पेट्रोलियम आयात एवं प्रदूषण को कम करने के लिए पेट्रोल में इथनॉल मिलाने की पहल से गन्ना उत्पादक किसान लाभान्वित हो रहे हैं। कचरे, पराली, खराब अनाज और अनुपयोगी खाने के तेल से बायोडीजल बनाने और नगरीय कचरे से बिजली उत्पादन के नवाचार सराहनीय है। महोत्सव में ऊर्जा के संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों का संचालन सराहनीय पहल है। सक्षम 2023 का नारा ऊर्जा संरक्षण नेट जीरो की ओर हमारे ऊर्जा संरक्षण प्रयासों और संभावनाओं की प्रभावी अभिव्यक्ति है। प्रारम्भ में राज्यपाल का कार्यक्रम के राज्य स्तरीय समन्वयक कार्यपालक निदेशक, इंडियन आयल कारपोरेशन श्री दीपक कुमार बासु ने अभिनन्दन किया। स्वागत उद्बोधन दिया। आभार प्रदर्शन राज्य प्रमुख, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड श्री पी. मोतीरमानी ने किया। मंच पर उप महाप्रबंधक गेल इंडिया लिमिटेड श्री बद्दू कोटेश्वर राव और उप महाप्रबंधक रिटेल, श्री प्रशांत कुमार शुक्ल भी मौजूद थे।

मध्यप्रदेश केबिनेट बैठक में परोसा गया श्री अन्न

-वर्ष 2023 को घोषित किया गया है मिलेट ईयर

-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा- श्री अन्न को बढ़ावा देंगे

भोपाल। मंत्रालय में केबिनेट की बैठक में आज एक नई पहल हुई। बैठक में स्वल्पाहार के तौर पर पूर्व में प्रचलित खाद्य सामग्री के स्थान पर श्री अन्न (मिलेट्स) से बने व्यंजन मंत्रि-परिषद सदस्यों को परोसे गए। इनमें बिस्किट, सैंडविच, कटलेट, बाजरा खिचड़ा, पापड़, खीर शामिल थी। मंत्रीगण को यह व्यंजन पसंद भी आए।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी भी श्री अन्न को प्रोत्साहित कर रहे हैं। वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा इंटरनेशनल मिलेट ईयर घोषित किया गया है। मिलेट्स को प्रोत्साहित करने के लिए आज केबिनेट में मिलेट्स से बने व्यंजन परोसने की शुरूआत की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। श्री अन्न स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उपयोगी हैं।

भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ

मानव में देवत्व के उदय एवं धरती पर स्वर्ग के अवतरण की परिकल्पना को साकार करने दी जा रही आहूतियां

बसीम खान

टीकमगढ़। स्थानीय मानस मंच स्थित प्रांगण में आज कार्यक्रम के दूसरे दिन गायत्री मंत्रों की और भजनों की गूंज रही। हरिद्वार से आई टीम द्वारा विधि विधान से यज्ञ सम्पन्न कराया गया। 51 कुंडीय यज्ञ के दौरान आये श्रद्धालुओं ने यहां लगी दुकानों पर खरीददारी की। बताया गया है कि पंडाल के समीप ही यहां पुस्तक मेला लगाया गया है, जिसमें धार्मिक पुस्तकों का मेला लगा हुआ है। बताया गया है कि मानव में देवत्व के उदय एवं धरती पर स्वर्ग के अवतरण की परिकल्पना को साकार करने एवं विश्व कल्याण की कामना से अखिल विश्व गायत्री परिवार शाखा टीकमगढ़ द्वारा शांतिकुन्ज हरिद्वार के तात्वाधान में मानस मंच राजेन्द्र पार्क पर होने जा रहे 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के प्रथम दिवस भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा प्रारंभ होने के साथ जिला कलेक्टर सुभाष द्विवेदी की धर्म पत्नी श्रीमती स्वाति द्विवेदी ने कलश का पूजन किया गया। कलश यात्रा के में गायत्री माता रानी लक्ष्मीबाई शंकर भगवान सरस्वती माता आदि की झाकियों के साथ कलश यात्रा का प्रारंभ गायत्री शक्तिपीठ बानपुर दरवाजा से प्रारंभ होकर श्री राज राजेश्वरी हवेली मंदिर, हरिदास मंदिर, होते हुए कटरा बाजार चौराहा, गहोई मंदिर, हिमांचल गली, तिरंगा तिराहा, जवाहर चौक, नजाई गेट, लुकमान चौराहा, सिंधी धर्मशाला, सैलसागर चौराहा, नजर बाग मंदिर के सामने से कोतवाली, गांधी चौराहा एवं कार्यक्रम स्थल मानस मंच राजेन्द्र पार्क टीकमगढ़ पर भव्य महाआरती के साथ कलश यात्रा का समापन किया गया। नगर में कलश यात्रा के भ्रमण के दौरान परिजनों द्वारा जगह-जगह पर कलश यात्रा का स्वागत किया गया। पेयजल एवं शर्बत आदि की व्यवस्था की गई। स्वागत के लिए सभी समाज एवं सामाजिक संगठनों बढ़चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें टीकमगढ़ विधायक राकेश गिरि, अल्प संख्यक मोर्चा के मुख्तार अहमद, इरफान खान, जीवन सार संतसंग समिति गहोई समाज, विप्र समाज, सिंधी समाज आदि प्रमुख हैं। मातृ शक्ति संगठन समित द्वारा 24 अप्रैल से 27 अप्रैल तक के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था यज्ञ पांडाल के पास की गई। कलश यात्रा प्रारंभ करने के पूर्व संपूर्ण कलश यात्रा का शाँतिकुंज हरिद्वार से पधारी टोली द्वारा पूजन कराया गया। पूजन के दौरान शाँतिकुन्ज हरिद्वार से पधारे मनीषी टोली नायक अरूण खण्डागले द्वारा विश्व ब्राह्मांड के प्रतीक कलश पर प्रकाश डाला गया। उनके द्वारा बताया गया कि कलश में तैतीस कोटि देवी देवताओं का वास होता है। इसमें पूरा ब्राह्मांड समाया हुआ है एवं कलश को सिर पर धारण करने के वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। शाँति कुन्ज हरिद्वार से पधारे मनीषियों द्वारा कलश गीत एवं गुरू, गायत्री महिमा के गीत गाये गये। गायत्री परिवार के प्रमुख प्रबंध ट्रस्टी ओपी योगी द्वारा बताया गया कि कलश यात्रा के साथ यह कार्यक्रम प्रारंभ होकर आज 25 अप्रैल से 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ प्रारंभ हुआ। जिसके लिए शानदार पंडाल तैयार किया गया है। इसमें षोडश संस्कारों के साथ गुरू दीक्षा संस्कार आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। यज्ञीय पंडाल में परम पूज्य गुरुदेव का साहित्य एवं गुरू गायत्री से संबंधित सामग्री के स्टाल लगाये गये है। बीते रोज निकाली गई कलश यात्रा के दौरान आसपास के परिजन जिला निवाड़ी की पृथ्वीपुर निवाड़ी शाखा के साथ टीकमगढ़ जिले के समस्त प्रज्ञापीठों, शक्तिपीठों जतारा, पलेरा, दिगौड़ा, मोहनगढ़, बल्देवगढ़, खरगापुर के साथ उत्तरप्रदेश के जिला ललितपुर के महरौनी, छपरट, चकोरा बानपुर के साथ आपपास के लोगों ने अपनी भागीदारी दी। कार्यक्रम में टीकमगढ़ शाखा की युवा वाहिनी बहिनों एवं युवा प्रकोष्ठ के नौजवानों ने दिन रात मेहनत कर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना विशेष योगदान दिया है। कार्यक्रम के दौरान 700 से अधिक महिला एवं पुरूषों ने भाग लिया।

13 मई 2023 को होगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन

टीकमगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार दिनांक 13 मई 2023 को आयोजित नेशनल लोक अदालत के सफल क्रियांवयन हेतु हितेन्द्र सिंह सिसौदिया प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ की अध्यक्षता में आज 25 अप्रैल 2023 को जिला न्यायालय टीकमगढ़ के सभाकक्ष में न्यायाधीशगणों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश टीकमगढ़ द्वारा समस्त न्यायाधीशों को आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु आवश्यक चर्चा के दौरान कहा गया कि समस्त न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक शमनीय मामले, चैक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर दावा अधिकरण संबंधी मामले, विद्युत विवाद के प्रकरण, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद संबंधी प्रकरण, भू-अधिग्रहण संबंधी प्रकरण एवं समस्त प्रकार के सिविल प्रकरणों के साथ ही बैंक रिकवरी, नगर पालिका, जलकर, विद्युत संबंधी प्रीलिटीगेशन प्रकरणों का भी अधिक से अधिक निराकरण किया जावे। उक्त लोक अदालत हेतु तैयार निराकृत प्रकरणों की जानकारी भी जानकारी भी ली गई। उक्त बैठक में विशेष न्यायाधीश श्रीमती गीता सोलंकी, जिला एवं अतिरिक्त न्यायाधीश मनोज कुमार, अरविन्द प्रताप सिंह चौहान, अनिल करौरिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार पाटीदार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सपना पोर्ते, न्यायिक मजिस्ट्रेट अमन सिंह भूरिया, प्रदीप सोनी, अरविन्द सिंह, संगम सिंह, श्रीमती अदिति कुमार शर्मा, नूतन रावते उपस्थित रहें।

यातायात जागरूकता अभियान- नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया गया लोगों को जागरूक

टीकमगढ़। पुलिस मुख्यालय के आदेश से 24 अप्रैल 23 से 30 अप्रैल 23 तक संपूर्ण मध्यप्रदेश में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ रोहित काशवानी के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ सीताराम के मार्गदर्शन में एडीएसपी सुश्री प्रिया सिंधी नेतृत्व में आज एनजीओ ग्रामीण स्वावलंबन समिति टीकमगढ़ के द्वारा नया बस स्टैंड पर नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें जन सामान्य को यातायात के नियमों की जानकारी दी गई। जैसे दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाएं दुपहिया वाहन पर तीन या अधिक सवारी ना बैठाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग ना करें, साथ ही चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, नशा करके वाहन ना चलाने, यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। कार्यक्रम में यातायात थाना प्रभारी श्रीमती पूर्णिमा मिश्रा, थाना प्रभारी कोतवाली मनीष कुमार, एनजीओ ग्रामीण स्वावलंबन समिति प्रभारी राज कुमार अहिरवार एवं उनकी टीम तथा अन्य पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा।

सरस्वती शिशु मंदिर गल्लामंडी का स्वर्ण जयंती वार्षिकोत्सव सम्पन्न

छतरपुर। शहर के गल्ला मंडी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में स्वर्ण जयंती वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन स्कूल की स्थापना के 51 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वैशाख शुक्ल चतुर्थी को देर शाम किया गया।

स्कूल के प्राचार्य कृष्णकांत खरे ने बताया कि कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, वहीं छोटे-छोटे बच्चों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 1971 में से यह विद्यालय छतरपुर में संचालित हो रहा है, और 51 वर्षों से यहां अनवरत शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों के अलावा शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हाजी जब्बार हुसैन कांग्रेस के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष बने

छतरपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ,प्रदेश कांग्रेस प्रभारी जेपी अग्रवाल एवं सह प्रभारी संजय कपूर, जिला प्रभारी नारायण प्रजापति के निर्देशानुसार प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस संगठन प्रभारी राजीव सिंह की आम सहमति से हाजी जब्बार हुसैन (मुन्ना हाजी जी) को जिला कांग्रेस कमेटी का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मुन्ना हाजी जी को उपाध्यक्ष बनाये जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए जिला अध्यक्ष लखनलाल पटेल का आभार व्यक्त किया है।

कार चालक की लापरवाही से हुये हादसे में पांच घायल, दो गंभीर

छतरपुर। नौगांव थाना अंतर्गत आने वाली लुगासी चौकी क्षेत्र में एक कार के चालक की लापरवाही से हुए सड़क हादसे में 5 युवक घायल हुए हैं। 2 घायलों की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें झांसी और जबलपुर रेफर किया गया है, शेष 3 घायलों का जिला अस्पताल में ही इलाज किया जा रहा है। लुगासी चौकी क्षेत्र के ग्राम सरगुवां निवासी देशराज यादव उम्र 22 वर्ष ने बताया कि वह राजेन्द्र रैकवार उम्र 38 वर्ष, विकास कुशवाहा, नरेन्द्र सेन तीनों निवासी विश्वनाथ कॉलोनी छतरपुर तथा मनोज यादव उम्र 26 वर्ष निवासी सरगुवां के साथ इंडिका कार में सवार होकर महाराजपुर से सरगुवां जा रहा था। इसी दौरान कार चालक के पास किसी का फोन आया और वह फोन पर बात करने लगा जिस कारण से उसका संतुलन कार से हट गया और कार सड़क किनारे लगे एक पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में सभी 5 लोग घायल हो गए थे जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया। घायल विकास कुशवाहा को झांसी रेफर किया गया है जबकि नरेन्द्र सेन को जबलपुर रेफर किया गया है। इसके अलावा देशराज, मनोज, और राजेन्द्र का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने बच्चों को सुरक्षित यातायात के नियमों की जानकारी दी

बच्चों ने दिया सुरक्षित यातायात का संदेश, मंजरी ने पाया तीसरा स्थान

टीकमगढ़। गुरू हरकिशन सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को यातायात जागरूकता को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस कप्तान रोहित काशवानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यहां पर बच्चों के बीच सुरक्षित यातायात को लेकर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सोमवार को गुरु हरकिशन सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने बच्चों को सुरक्षित यातायात के नियमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि

देश में सबसे अधिक मौतें सड़क दुर्घटनाओं में होती है। सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण लापरवाही है। इसमें बिना हेलमेट के बाइक चलाना, कार में सीट बेल्ट न लगाना, शराब पीकर वाहन चलाना प्रमुख कारण है। उन्होंने बच्चों को समझाइश देते हुआ कहा कि आप सभी भी वाहन तभी चलाए जब आप 18 वर्ष के हो जाए और आप लाइसेंस ले लें। बिना लाइसेंस के कोई भी वाहन न चलाए। साथ ही उन्होंने बच्चों से कहा कि आपको भी यदि कोई बिना हेलमेट, सीट बेल्ट लगाए वाहन चलाते मिले तो उसे रोके। अपने परिजनों को भी वाहन चलाते समय नियमों का पालन करने की बात कही।

छात्रों ने पोस्टरों में उकेरी सुरक्षा-

इस अवसर पर छात्रों ने सुरक्षित यातायात को लेकर चित्र बनाएं। बच्चों ने अपनी कूची से सुरक्षित यातायात को लेकर सुंदर चित्र बनाएं। इसमें अनुष्का खरे को प्रथम, वेदिका तिवारी को दूसरा, मंजरी रावत को तीसरा, जान्हवी खरे को चौथा, लक्ष्य नवानी को पांचवा एवं हिमांशी द्विवेदी को छठवां स्थान मिला। इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर सरदार इंद्रपाल सिंह, हरमिंदर कौर, प्रिंसिपल वर्षा झाम, रितु परमार, सनप्रीत कौर, कलीम खान, डां विश्वजीत नरवडे़, असद अली, अखिलेश झा, योगेश खरे,विनय दुबे, शिवनारायण ठाकुर, धनन्जय सिंह, कमल प्रसाद मिश्रा उपस्थित रहे।

कार्यकर्ता नैतिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करें- कलेक्टर श्री द्विवेदी'

मलेरिया जागरुकता सप्ताह एवं विश्व मलेरिया दिवस मनाने के लिये जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित'

टीकमगढ़। कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आज जिला मलेरिया कार्यालय टीकमगढ़ में जिला स्तरीय कार्यशाला तथा मीडिया एडवोकेसी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि वैक्टर नियंत्रण में सर्व सहभागिता जरूरी हैं। इस उद्देश्य के साथ विश्व मलेरिया दिवस पर आज टीकमगढ जिले में मलेरिया जागरूकता सप्ताह एवं विश्व मलेरिया दिवस मनाने के लिये जिला स्तरीय कार्यशाला तथा मीडिया एडवोकेसी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कलेक्टर श्री द्विवेदी द्वारा कार्यशाला में उपस्थित कार्यकर्ताओं से अपेक्षा की गई कि मलेरिया उन्मूलन, फायलेरिया उन्मूलन के साथ-साथ किसी भी कार्यक्रम को केवल शासकीय कार्यक्रम नहीं माना जाये, बल्कि इसे नैतिक जिम्मेदारी भी समझकर अपने योगदान हेतु आप सभी आगे आयें। यदि इसी तरह से पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य किया गया। तब निश्चित रूप से शासन द्वारा तय लक्षित वर्ष 2027 मे इन बीमारियों के उन्मूलन करने में जिले को पूर्ण सफलता अवश्य प्राप्त होगी। विशेष रूप से वैक्टर, मच्छर नियंत्रण में सर्व सहभागिता जरूरी हैं क्योंकि साफ पानी के प्रबंधन में ही इस समस्या का निदान हैं। कार्यशाला में आमंत्रित जिले के वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र अध्वर्यु द्वारा विशेष रूप से मीडिया प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गई कि बदले हुये परवेश में जिले में मलेरिया के प्रकरण दर्ज नहीं हो रहे हैं, जो कि हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में घरेलु छिड़काव, मच्छरदानी वितरण जैसी गतिविधियां जिले में अब प्रचलन में नहीं है, लेकिन मच्छरों की समस्या अवश्य है। ग्राम और नगरीय क्षेत्र में पंचायत और नगर निकायों को इस दिशा में स्वच्छता अभियान को गम्भीरता से चलाने की आवश्यकता हैं। विशेष रूप से नालियों की सफाई करने और दवाई डालने का कार्य सप्ताह में एक बार अवश्य किया जाना चाहिये। इस उद्देश्य से पंचायत और नगर निकाय के पास पर्याप्त भौतिक और मानव संसाधन उपलब्ध हैं। उन्हें अमल में लाने की जरूरत हैं। मलेरिया विभाग इस कार्य में तकनिकी सहयोग करें। मलेरिया अधिकारी एचएम रावत द्वारा बताया गया कि विश्व मलेरिया दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने घर, कार्यालय और परिवेश में मच्छर पैदा नहीं होने देंगें। मलेरिया बीमारी की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग को सूचित करेंगे। मलेरिया की जांच और उपचार सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर नि:शुल्क हैं। जिले में बीमारी की सूचना मिलने पर रैपिड रिस्पांस टीम भेजकर और मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के सहयोग से लार्वा सर्वे और विनष्टिकरण के साथ अन्य सेवायें देकर और जागरूकता अभियान चलाकर स्वास्थ्य विभाग तत्काल कार्यवाही करता हैं। इस बारे में अन्य सभी विभाग, समाज और मीडिया प्रतिनिधि सभी का सहयोग अपेक्षित हैं, क्योंकि वास्तव में मच्छर नियंत्रण की शुरूआत घर-कार्यालय से ही होनी चाहिए। गर्म जलवायु होने के कारण बीमारी नहीं होने पर भी मच्छरों का पैदा होना स्वभाविक हैं। वर्तमान प्रावधानों के अन्तर्गत प्रयास कर और जन जागरूकता के द्वारा हम मच्छरों को नियंत्रित कर सकते हैं। मलेरिया जागरूकता सप्ताह मनाने का उद्देश्य यह हैं, कि छोटे-छोटे उपाय अपना कर मच्छरों को पैदा होने से रोकने के लिए हर घर, विद्यालय, छात्रावास एवं कार्यालय की अहम भूमिका होनी चाहिए। साफ पानी में ही मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुन्या के मच्छर पैदा होते हैं। इसे ढक्कर रखकर अथवा बदलकर हम इन बीमारियों को रोक सकते हैं और गंदे पानी का निकास बनाकर अथवा मिट्टी का तेल या जला हुआ तेल डालकर हम मच्छरों को आसानी से नियंत्रित कर सकते हैं। कार्यशाला के अन्त में राष्ट्रीय फायलेरिया उन्मूलन हेतु सामुहिक दवा सेवन कार्यक्रम एवं वैक्टर जनित अन्य रोग नियंत्रण कार्यक्रमों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ केएम बरूण, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ अमित शुक्ला, डॉ शान्तनु दीक्षित बीएमओ बडागांव, प्रभारी मीडिया अधिकारी मनोज नायक, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल मीडिया के प्रतिनिधी, स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी, आशा, जीएनएम, एनएसएस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छतरपुर भ्रमण

मोबा.9425813645-9713832748
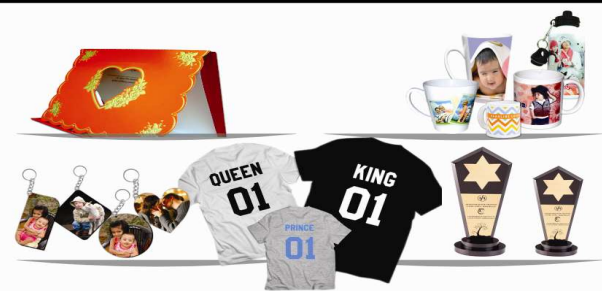
पता- डी.आई.जी. ऑफिस के सामने, जवाहर रोड, छतरपुर (म.प्र.)
मो. 82188-91488

प्रेस का पता- अग्रसेनपुरी देरी रोड, छतरपुर (म.प्र.)

राशि दोगुनी लौटाने का वायदा कर महिलाओं से की 80 लाख की ठगी

छतरपुर। बिजावर क्षेत्र की कई महिलाओं से कुल 70 से 80 लाख रुपए की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि एक समिति के संचालकों ने महिलाओं को राशि दोगुनी लौटाने का वादा करके पैसे जमा कराए थे लेकिन अब न तो उनके फोन लग रहे हैं और न ही उनके बारे में किसी को जानकारी है। पीड़ित महिलाओं ने एसपी को आवेदन देकर धोखाधड़ी करने वालों पर कार्यवाही की मांग की है।

ये है मामला

बिजावर निवासी श्रीमती शशि विश्वकर्मा ने बताया कि वर्ष 2007 में बुन्देलखंड महिला साख समिति सहकारिता मर्या. छतरपुर की अध्यक्ष श्रीमती रमा द्विवेदी पत्नी स्व. ज्योतिप्रकाश द्विवेदी, उपेन्द्र सिंह यादव और सावी भट्ट सभी निवासी छतरपुर ने बिजावर जाकर उन्हें समिति का उद्देश्य बताया था और महिलाओं के बचत खाते खुलवाने के लिए नियुक्त किया था। चूंकि काम महिलाओं के उत्थान का था इसलिए श्रीमती शशि विश्वकर्मा समिति से जुड़ गईं और बिजावर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल की महिलाओं के बचत खाते समिति में खुलवाने लगीं, जिसके बदले महिलाओं को समिति द्वारा पासबुक भी दी गई। श्रीमती शशि विश्वकर्मा के मुताबिक शुरुआत में महिलाओं से 20 रुपए जमा कराए जाते थे जो बाद में धीरे-धीरे बढ़ते गए और कई महिलाओं ने 10 हजार तक की राशि जमा की। इसके बाद जब पैसे वापिस करने का समय आया तो समिति की अध्यक्ष रमा द्विवेदी, उपेन्द्र सिंह और सावी भट्ट लापता हो गए। अब जिन महिलाओं ने श्रीमती शशि विश्वकर्मा के माध्यम से खाते खुलवाए थे, वे उनके ऊपर राशि वापिस दिलाने का दबाव बना रही हैं, जबकि समिति के संचालकों के न तो फोन लग रहे हैं और न ही उनके बारे में किसी को जानकारी है। श्रीमती शशि विश्वकर्मा के मुताबिक उन्होंने बिजावर क्षेत्र की कई महिलाओं के कुल 70 से 80 लाख रुपए जमा कराए थे जो वापिस नहीं मिल रहे हैं।

बेटी की शादी के बचे 15 दिन, नहीं मिल रहे पैसे

श्रीमती शशि विश्वकर्मा के साथ एसपी ऑफिस आईं बिजावर निवासी श्रीमती द्रोप्ती विश्वकर्मा ने बताया कि उन्होंने 9 वर्ष पूर्व शशि विश्वकर्मा के कहने पर समिति में बचत खाता खुलवाकर 5 लाख रुपए जमा किए थे और उन्हें बेटी की शादी के वक्त राशि वापिस दिए जाने का भरोसा दिया गया था लेकिन अब बेटी की शादी में मात्र 15 दिन शेष बचे हैं और उनके पास पैसे नहीं है, ऐसे में वह भारी परेशानी से जूझ रही हैं। इसी तरह बिजावर निवासी शीला श्रीवास ने बताया कि उन्होंने समिति के खाते में कुल 18 हजार रुपए जमा किए थे और उन्हें 20 हजार रुपए वापिस दिए जाने का भरोसा दिया गया था लेकिन अब राशि लौटाने वाले लापता हो गए हैं। वे पिछले दो वर्ष से राशि के लिए भटक रही हैं।

रात में नियम विरुद्ध होती है विपणन सहकारी समिति राजनगर में खरीदी

राजनगर। छत्रसाल विपणन सहकारी समिति राजनगर स्थित केंद्र क्रमांक 2 में शनिवार की रात 9 बजे तक गेहूं की खरीदी की गई जबकि नियम के अनुसार रात में खरीदी का कोई नियम नहीं है। लोगों ने बताया कि शनिवार एवं रविवार को अवकाश भी रहता है इसके बावजूद शनिवार को रात में खरीदी की गई जबकि दिन में ही खरीद करने का आदेश है। इसके अलावा इस केंद्र में एक सर्वेयर भी पदस्थ है जिसकी मौजूदगी में खरीदी की जानी चाहिए लेकिन जब यह खरीदी चल रही थी उस समय सर्वेयर भी मौजूद नहीं था। लोगों का कहना है कि अगर रात में खरीदा गया गेहूं आगे जाकर रिजेक्ट हो जाता है तो इसके लिये कौन जिम्मेदार होगा। यहां पर पदस्थ समिति प्रबंधक भगवत कुशवाहा की मनमानी से ही नियम विरूद्ध खरीदी की जा रही है तथा शासन को चूना लगाया जा रहा है। लोगों ने समिति प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

नवागत एसडीएम ने विकास कार्यों की समीक्षा की

तुलसीदास सोनी

खजुराहो। राजनगर नगर परिषद राजनगर नवागत एसडीएम अक्षत जैन का नगर परिषद राजनगर के कार्यालय में आगमन हुआ एवं नगर के विकास योजना समेत सभी कार्यों की समीक्षा की गई एवं उनके द्वारा नगर भ्रमण कर कचरा प्रसंस्करण केंद्र मुक्तिधाम जल सेना तालाब बाजार बस स्टैंड आदि स्थानों का निरीक्षण किया गया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष जीतेंद्र वर्मा नगर परिषद सीएमओ जगदीश प्रसाद मिश्रा उपयंत्री महेंद्र पटेल एवं स्वच्छता निरीक्षक हिदायत खान उपस्थित रहे।

2 फरार आरोपियों की सूचना देने पर 20 हजार का इनाम घोषित

छतरपुर। पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन ने 2 फरार आरोपियों को पकड़वाने या सूचना देने के संबंध में पूर्व से घोषित नगद पुरस्कार में वृद्धि की है। फरार आरोपी अब्दुल समीर उर्फ भैया काटर पिता अब्दुल सत्तार और परवेज खान पिता याकूब खान उम्र 37 निवासी छतरपुर थाना कोतवाली की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये से वृद्धि करते हुये 20 हजार रुपये इनाम घोषित किया है।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ग्रामीणों ने दिया ज्ञापन, मांगे नहीं हुई पूरी तो ग्रामीण करेंगे आंदोलन

गौरिहार/ जनपद मुख्यालय से महज 5 किमी की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत गहबरा के रहवासी आज भी कई मूलभूत सुविधाओं और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन से वंचित है। जिसके लिये मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान जनपद कार्यालय पहुँचकर सैकड़ो ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम देवेंद्र चौधरी को पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

नहीं पहुँच सकी नल जल योजना

जनपद क्षेत्र की बहुसंख्यक आबादी वाली ग्राम पंचायतों में से एक गहबरा में अभी तक नल जल योजना की शुरुआत नहीं हो सकी है। रामदीन शर्मा, हीरो दुबे, रामप्रसाद, जयराम आदि ग्रामीणों ने बताया कि हर घर नल योजना को लागू हुये लंबा समय बीत गया है लेकिन हमारी पंचायत में इसका अभी तक क्रियान्वयन नहीं हुआ है। जिससे ग्राम में जल संकट बना रहता है। महिलाओं को बहुत दूर से पानी लाने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसी प्रकार अन्ना गौवंश से किसानों की फसलें हर वर्ष तबाह हो रहीं हैं लेकिन गौशाला बनाये जाने के लिये प्रशासन द्वारा कोई पहल नहीं की गई। ग्राम में 1959 से स्थापित माध्यमिक शाला का हाईस्कूल में आज तक उन्नयन नहीं किया गया जिससे छात्रों को पांच किमी दूर गौरिहार पढ़ाई करने जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि छतरपुर से गौरिहार जाने वाली कई बसों के परमिट गहबरा होकर ही बनाये गये थे लेकिन एक भी बस गहबरा होकर नहीं जाती जिससे आने जाने में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सिंचाई के साधन न होने से किसान को उसकी लागत तक निकलना मुश्किल हो रहा है। वर्तमान में जमरा माइनर से गहबरा को जोड़ा जाये। ग्रामीणों के अनुसार पूर्व में भी कई बार समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया है लेकिन समाधान आज तक नही हो सका। उन्होंने बताया कि अगर सात दिवस में हमारी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो हम मजबूरन आंदोलन करने को बाध्य होंगें।

सभी विभागों से समन्वय बनाकर जल्द निराकरण होगा

ग्रामीणों ने पांच सूत्रीय मांग पत्र दिया है जिसके संबंध में सभी विभागों से समन्वय बनाकर जल्द निराकरण किया जायेगा।

देवेंद्र चौधरी एसडीम गौरिहार।

जनसुनवाई में कैरोसिन डालकर आत्मदाह के लिये मंजू नेता ने उकसाया: सुरेन्द्र सिंह

छतरपुर। छतरपुर के विवादित नेता मंजू अग्रवाल ने ही 19 अप्रैल को छतरपुर के कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान सरानी निवासी सुरेन्द्र सिंह तोमर को आत्मदाह के लिए उकसाया था। उल्लेखनीय है कि खुद पर मिट्टी का तेल छिड़कने के बाद सुरेन्द्र तोमर ने आत्महत्या की कोशिश की थी लेकिन तभी यहां मौजूद मीडियाकर्मियों ने उसके हाथ से माचिस छीन ली थी। इस मामले में अब स्वयं सुरेन्द्र तोमर ने उस दिन की सच्चाई का खुलासा किया है।

सुरेन्द्र तोमर ने मंगलवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बताया कि सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने सरानी के अहिरवार समाज की शिकायत पर उसके खिलाफ मंदिर की मूर्ति तोड़ने का मुकदमा दर्ज किया था। इसी एफआईआर से परेशान सुरेन्द्र तोमर जनसुनवाई में शिकायत करने गया था जब बार-बार शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई तो वह परेशान हो गया। जनसुनवाई के दौरान ही मुझे छतरपुर के मंजू नेता मिल गए उन्होंने मुझे उकसाते हुए कहा कि कलेक्टर कार्यालय में ऐसे कोई भी तुम्हारी फरियाद नहीं सुनेगा। तुम्हें कुछ ऐसा करना पड़ेगा जिससे हंगामा मच जाए। जब तुम ऐसा करोगे तभी तुम्हें घर मिलेगा, तुम्हारी एफआईआर भी कट जाएगी। इतना समझाने के बाद मंजू नेता ने सुरेन्द्र तोमर को मिट्टी का तेल पकड़ा दिया। सुरेन्द्र तोमर ने मीडिया को यह सच्चाई तब बताई जब पुलिस ने उसके और मंजू नेता के खिलाफ मुकदमा कायम कर लिया है।

राष्ट्रीय युवा शिक्षा नीति के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम के तहत खेल प्रतियोगिता सम्पन्न

छतरपुर। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा प्रस्तावित युवा नीति के संबंध में जागरूकता के अंतर्गत शासकीय छत्रसाल महाराजा महाविद्यालय महाराजपुर में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बी. एम. द्विवेदी जी के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य महोदय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं युवा नीति एवं खेल कूद के महत्त्व के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रिया बघेल, क्रीडा अधिकारी, द्वारा किया गया। इस उपलक्ष्य में महाविद्यालय में वॉलीबाल (म/पु) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया एवं खेल भावना के साथ अपना अच्छा खेल प्रदर्शन दिया। प्रतियोगिता के अंत में दोनो वर्ग के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

दो टूक

भैया ई संसार में रस्ता जौइ भलौ।
जीवन में संतोष हो, मिलके सदा चलौ।।
मिलके सदा चलौ, चित्त वेचैन है जीकौ।
स्वाद भरो भोजन भी ऊखं लगवै फीकौ।।
वैर भाव से दिलन में, रहत सदा आक्रोश।
अपनो खोट फिर नइ दिखत, बस औरइ कौ दोष।।

श्याम सुन्दर खरे (रिटा.शिक्षक) 'श्याम' गल्लामंडी, छतरपुर

स्वात्वाधिकारी- प्रकाशक एवं मुद्रक हरि प्रकाश अग्रवाल द्वारा छतरपुर भ्रमण, अग्रसेन पुरी देरी रोड छतरपुर से मुद्रित एवं कार्यालय छतरपुर भ्रमण अग्रसेन पुरी देरी रोड छतरपुर से प्रकाशित। संपादक-हरि प्रकाश अग्रवाल
आर.एन.आई.नं.50076/89, डाक पंजीयन क्र.-म.प्र./छतरपुर/07/15-17 ☎244290 (O), 241333, 242833(R) Mob.-94253-04645 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार। नोट : समस्त विवादों का क्षेत्र न्यायालय छतरपुर होगा।